एचएलएल

समन्वया

अंक - 30, अगस्त 2020

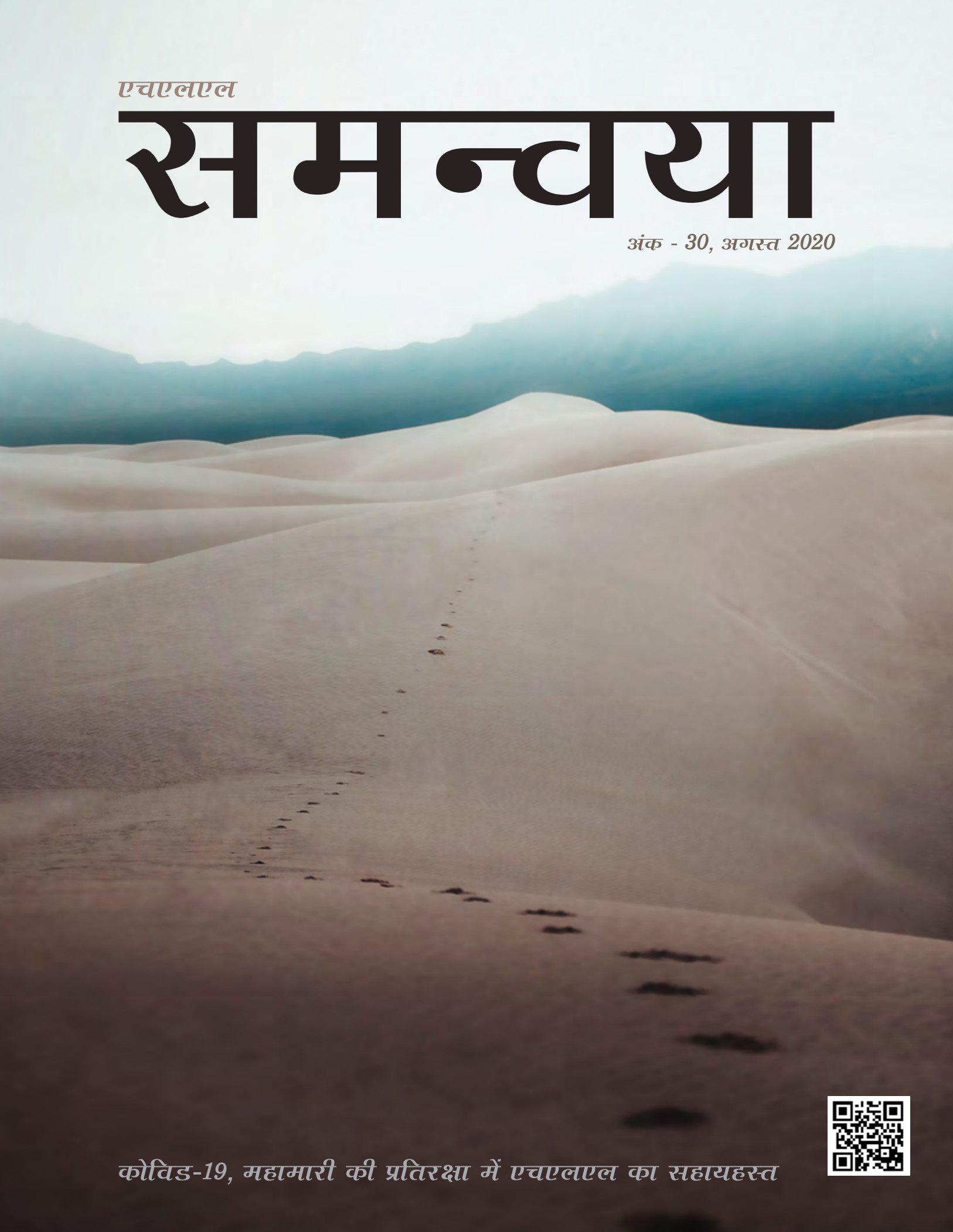

कोविड-19, महामारी की प्रतिरक्षा में एचएलएल का सहायहस्त

www.moodsgoldclub.com

मूड्स गोल्ड आप को एक अविस्मरणीय शाही अनुभव की दुनिया में ले जाता है। यह आप को, जिंदगी बेहत्तरीन तरीके से मनाने का अवसर देता है। आप और आपके साथी एक साथ इस शाही अनुभव को मनाते हैं।

गोल्ड
मूड्स
कंडोम

विषय-सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से.....5

संपादकीय.....6

एचएलएल - लोगों की स्वास्थ्य रक्षा को महत्ता देती कंपनी.....8

कोविड-19, महामारी की प्रतिरक्षा में एचएलएल का सहायहस्त.....14

एचएलएल प्रतीक्षा छात्रवृत्ति.....24

कृपया ध्यान दीजिए.....26

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन पर एक नज़र.....28

नेमी टिप्पणियाँ.....40

एचएलएल शब्दावली.....41

सृजनशीलता.....44

हार्दिक बधाइयाँ.....49

ताज़ा खबर.....50

पुरस्कार वितरण.....53

एचएलएल रिक्रियेषन क्लब.....56

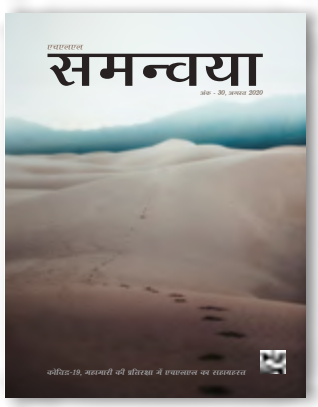

संपादक मंडल

संरक्षक के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, **मुख्य संपादक** श्री के.विनयकुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन),
संपादक मंडल डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन सह उपाध्यक्ष (आई बी डी, एस पी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा),
श्रीमती सुधा एस.नायर, वरिष्ठ प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), डॉ. सुरेष कुमार. आर , प्रबंधक (राजभाषा)
संपादकीय सहायक आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शनन
डिजाइनिंग श्री श्रीजित.एस.एल, (कॉर्पोरेट संचार)
मुद्रक अक्षरा ऑफसेट प्रिंटेर्स, तिरुवनंतपुरम।
समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर का कोई संबंध नहीं है।
एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाष: 2354949
वेब: www.lifecarehll.com **फैक्स:** 0471-2358890
अंक 30, अगस्त 2020
संपादित एवं प्रकाशित: हिंदी विभाग, तैयारकर्ता - कॉर्पोरेट संचार विभाग, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (केवल मुफ्त परिचालनार्थ)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

'अगर आप कुछ करना या बनना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने लक्ष्य को निर्धारित करें, वरना ज़िंदगी में कभी भी सही उपलब्धि हासिल नहीं करेंगे।'

पच्चास वर्ष के लंबे सफर के बीच में कई प्रकार के उतार - चढावों का सामना करने पर भी स्वास्थ्यरक्षा पर केंद्रित कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड समूचे राष्ट्र की आम जनता को गुणवत्तवाली स्वास्थ्यरक्षा सेवायें प्रदान करने की अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी एवं दौत्य पर हमेशा अडिग रहती है। कोविड जैसी महामारियों के समय पर भी एचएलएल द्वारा देश भर के मरीज़ों के लिए दिये गये समर्थन इस बात को साबित करती है। इस संकट स्थिति में भी कंपनी के कर्मचारियों ने कंधे से कंधे मिलाकर दिन - रात संपूर्ण काम में साथ दिया। प्रत्येक जगह के मरीज़ों के लिए आवश्यक सेवायें ऐन वक्त पर ही प्रदान करते हुए एचएलएल ने अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी। जिसके फलस्वरूप इस महामारी को काबू में लाने तथा जाँच करने के लिए आवश्यक मास्क, सैनेटाइसर, ग्लाउस, पीपीटी किट, रैपिड टेस्ट किट जैसी चिकित्सा उपायों को प्रापण करने की सहमति केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से एचएलएल को मिली,जो कंपनी के लिए एक मीलपत्थर ही है।

इस प्रकार जनोपयोगी सेवाओं में अडिग रहे एचएलएल मातृ & शिशुरक्षा अस्पताल, लाइफस्प्रिंग अस्पताल, अमृत फार्मेसी के ज़रिए माँ एवं बच्चों की स्वास्थ्यरक्षा के लिए अपेक्षित औषधियाँ तथा नैदानिक जाँच किफायती दर पर प्रदान कर रहा है। इसके अलावा एचएलएल के लाइफकेयर केंद्र, हिंदलैब्स डायग्नोस्टिक केंद्र, एमआरआई & सीटी स्कान सेंटर भी आम जनता के लिए एक सहायहस्त ही है। आगे एचएलएल के दो खास पहलुएँ हैं - अनुसंधान विंग - 'निगमित अनुसंधान एवं विकास केंद्र' तथा कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी विंग - 'हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी)'। ऐसे मानव सेवा पर केंद्रित एचएलएल को प्रदूषण एवं सुरक्षा के क्षेत्र के मानकों का सही अनुपालनार्थ कंपनी की पेरूरकडा और आक्कुलम फैक्टरियों को क्रमशः केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 'श्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार' और 'उत्कृष्ट सुरक्षा निषादन पुरस्कार' भी प्राप्त हुए हैं।

इस प्रकार विभिन्न परियोजनायें एवं सेवाओं से भारत भर अपना विपणन श्रृंखला विस्तृत करने के लिए एचएलएल को समन्वयन की भाषा हिंदी की सख्त ज़रूरत है। यह भी नहीं, कंपनी में संघ सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए हिंदी भाषा का प्रचार - प्रसार करना हमारी जिम्मेदारी भी है। इसके मद्देनज़र कंपनी में - कार्यपालकों के लिए हिंदी में तकनीकी सेमिनार, 'स्वस्थ जीवनशैली का महत्व' विषय पर अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, यूनिटवार बोलचाल हिंदी क्लास, हिंदी स्मरण परीक्षा, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रशिक्षण, उच्च कार्यपालकों, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें, हिंदी पखवाडा समारोह आदि - सही तरीके से आयोजित कर सके। इसके अलावा, कंपनी के कर्मचरियों को हिंदी में काम करने के लिए सक्षम बनाने की ओर ''पारंगत'' पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। साथ ही, चिन्नम्मा मेम्मोरियल गेल्स हायर सेकंडरी स्कूल, पूजप्पुरा के विद्यार्थियों के लिए हिंदी व्याकरण/बोलचाल हिंदी क्लास एवं हिंदी प्रतियोगितायें भी चलाने में हम समर्थ रहे।

यहाँ उल्लेखनीय बात यह है कि राजभाषा के प्रोन्नमन में केंद्रित एचएलएल नौ बार राजभाषा कीर्ति पुरस्कार, अठाईस वर्ष नराकास राजभाषा निषादन पुरस्कार एवं नराकास राजभाषा पत्रिका पुरस्कार, चार बार सहस्राब्धि राजभाषा शील्ड जैसी उपलब्धियाँ हासिल करने में कामयाब बन गयी। यह भी नहीं, एचएलएल के नेतृत्व में तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (प्रथम स्थान) और तीन बार क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (तीसरा स्थान) प्राप्त करने में भी हकदार बन गयी। वास्तव में यह एचएलएल के लिए एक उल्लेखनीय कार्य ही है।

हम, कंपनी में आयोजित विभिन्न हिंदी कार्यकलापों, कंपनी की नूतन सेवाओं एवं परियोजनाओं के यथावत् विवरण एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के विशाल कैनवास के माध्यम से आम जनों तक पहूँचाने का सम्यक परिश्रम करते हैं। मैं कंपनी की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के तीसवाँ अंक प्रसन्नता के साथ आपके सम्मुख प्रस्तुत करता हूँ। पाठकों से मेरी कामना है, इस पत्रिका के आगामी अंकों को मनमोहक एवं सारगर्भित बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव तथा मार्गदर्शन से हमें ठीक समय पर ही अवगत करा दें।

बेजी जोर्ज

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

भारत की राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिंदी अत्यंत सरल एवं विकासशील भाषा है। अतः इस जनमानस की भाषा हिंदी में भारत की आत्मा को छूने, संस्कृति को अभिव्यक्त करने और साहित्यक एवं वैज्ञानिक विधाओं को जोडने की अपार क्षमता है। यह भी नहीं, आज हिंदी कामकाज की भाषा भी है। इस दृष्टि से हिंदी भाषा का अधिकाधिक प्रचार - प्रसार करना हमारी संवैधानिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी बन गयी है। दरअसल यह स्वाभिमान एवं गौरव की बात ही है। हिंदी भाषा की इस अहमियत को पहचान कर एचएलएल कंपनी की राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर प्रगति लाने की ओर विविध प्रकार के कार्यकलाप - हिंदी कार्यशाला, हिंदी प्रतियोगिता, हिंदी वाक् - पटुता कार्यक्रम, हिंदी संगोष्ठी आदि - सही तरीके से आयोजित करने में सक्षम बन गया है। यह भी नहीं, आज कार्यालयों के पूरा का पूरा काम कंप्यूटर के ज़रिए होता है। इसलिए हिंदी भाषा के प्रयोग में बढावा लाने के लिए कर्मचारियों को हिंदी तकनॉलजी से संबंधित प्रशिक्षण देना अनिवार्य समझकर सभी स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अलग तौर पर हिंदी प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। इस प्रकार विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कंपनी के कर्मचारियों को अवगत करने के अलावा उन्हें हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने की ओर विविध पुरस्कार योजनायें भी कार्यान्वित की गयी हैं।

यह मात्र नहीं, कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों, कंपनी की परियोजनाओं एवं सेवाओं के विस्तृत विवरण और कर्मचारियों द्वारा लिखित हिंदी लेख यथाविधि प्रकाशित करने का एक सशक्त माध्यम है एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया'। मैं, कंपनी की इस राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के तीसवाँ अंक बेहद खुशी के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि इस राजभाषा पत्रिका का अगला अंक अधिक आकर्षक तथा सारगर्भित बनाने की ओर, सभी पाठक अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमारे साथ देने की कृपा करेंगे।

के. विनयकुमार,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

एचएलएल/3-17(हि.प.स.)/2019- 8782 15-10-2019

अपील

भारत की संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भाषा को केंद्र सरकार की राजभाषा का दर्जा दिया गया। तदनुसार, हिंदी भाषा संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार केंद्र सरकार की राजभाषा बन गयी है। उस दिन की स्मृति में, हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस और उसके बाद हिंदी पखवाड़ा, हिंदी महीना आदि मनाया जाता है। हिंदी दिवस / पखवाड़ा / महीना मनाने का उद्देश्य कार्यालयों में कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है और राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग बढ़ाना है।

एचएलएल भारत सरकार के उद्यम रहने से, राजभाषा अधिनियम, नियम, राष्ट्रपति आदेश, वार्षिक कार्यक्रम और समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन का अनुपालन करना हमारा संवैधानिक दायित्व है। उसी समय, राजभाषा नियमों, 1976 के उप नियम 12 के अनुसार, कार्यालय प्रमुख को इन आदेशों का अनुपालन सख्त रूप से सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। इसलिए, मैं संबंधित यूनिटों / कार्यालयों से व्यक्तिगत रूप से राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने और प्रचार सुनिश्चित करने का अपील करता हूँ।

हमारी कंपनी के हिंदी पखवाड़ा समारोह के इस शुभ अवसर पर मैं कामना करता हूँ कि आप सभी हिंदी पखवाड़ा समारोह को हिंदी में अधिकतम शासकीय कार्य हिंदी में कर के और इस समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर सफल बना दें।

हिंदी पखवाड़ा समारोह की शुभकामनाएँ।

बेजी जोर्ज

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सेवा में

सभी अधिकारी एवं कर्मचारी

HINDLABS

हिंदलैब्स - सस्ती स्वास्थ्य सेवा में क्रांति

हिंदलैब्स, सस्ती दरों पर गुणवत्तावाली नैदानिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए एचएलएल का एक नया पहल; बेहद रियायती दरों पर नैदानिक सेवाओं की पूरी श्रृंखला प्रदान करके देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में काफी प्रगति कर रहे हैं।

एक नैदानिक लैब के साथ वर्ष 2008 में प्रारंभित हिंदलैब्स, वर्ष 2022 तक 20 दशलक्ष आबादी की सेवा करने के लक्ष्य के साथ आज सबसे बडी श्रृंखला नैदानिकों में से एक के रूप में उभरा है। हिंदलैब्स, जिसे एचएलएल के स्वास्थ्यरक्षा सेवा प्रभाग (एचसीएस) द्वारा प्रबंधित किया जाता है, भारत के 15 राज्यों में फैला हुआ है। एचसीएस प्रभाग के उत्पाद श्रेणी में पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, टेली रेडियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, फिसियोथेरापी और डेंटल शामिल हैं। एचसीएस प्रभाग के व्यावसायिक कार्यक्षेत्र प्रगतिशील रास्ते पर है, जो हिंदलैब्स पैथोलॉजी, हिंदलैब्स इमेजिंग, हिंदलैब्स क्लिनिक और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी समावेशित करते हैं। हिंदलैब्स की मुख्य शक्तियों में किफायती मूल्य निर्धारण (सीजीएचएस), उच्च स्वचालित प्रयोगशालाएँ एवं उपकरण, श्रेष्ठ जनशक्ति, एनएबीएल प्रत्यायित प्रयोगशालाएँ और राज्य सरकारों व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के साथ बडी परियोजनाओं में काम करने का अनुभव शामिल हैं।

वर्ष 2018-19 में हिंदलैब्स ने 8.22 दशलक्ष रोगियों की जाँच की हैं और 16.63 दशलक्ष लैब परीक्षण किए हैं। महाराष्ट्र, असम और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय निःशुल्क नैदानिक योजना (एनएफडीएस) एचसीएस प्रभाग द्वारा कार्यान्वित बडी परियोजनाएँ हैं। इन परियोजनाओं के मुख्य हाइलाइट्स नीचे सूचीबद्ध हैं:

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय निःशुल्क नैदानिक परियोजना : एनएफडीएस के अधीन एचएलएल ने महाराष्ट्र में 136 लैबों को महालैब्स ब्रान्ड के रूप में स्थापित किया है। इन 136 लैबों में 2318 संग्रहण केंद्र/महाराष्ट्र के सरकार स्वास्थ्य सुविधाएँ शामिल हैं, जिसमें नमूने आहृत करके जाँच करते हैं और रोगियों को रिपोर्ट दिया जाता है। यह परियोजना लगभग 2750 फ्लेबोटोमिस्ट, 600 लैब तकनीशियनों और 70 पैथोलॉजिस्ट और 200 से अधिक मॉनिटरिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण टीम को रोजगार का अवसर प्रदान करती है।

वर्तमान में, परियोजना प्रति रोगी के लिए 2.3 औसतम जाँच के साथ प्रति दिन 21000 गरीब रोगियों तक पहूँचने में सक्षम है। यह परियोजना वर्ष 2018-19 में 6.4 दशलक्ष रोगियों तक पहूँच गई है और वर्ष 2018-19 के दौरान रु. 312.16 लाख लाभ प्राप्त करने में सक्षम बन गई ।

हिंदलैब्स के एनएबीएल प्रत्यायन, खरघर, रोगी पंजीकरण के लिए मोबैल आप - 'एचएलएल कनक्ट' डेटा अंतरण एवं परियोजना प्रबंधन, थैलेसीमिया व सिकल सेल एनीमिया (एचबी इलेक्ट्रोफोरसिस) और केंद्रीकृत डैषबोर्ड के लिए जाँच किए 8 लाख आदि इस परियोजना के कुछ मुख्य हाइलाइट्स हैं।

असम में राष्ट्रीय निःशुल्क नैदानिक परियोजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के वित्तीय समर्थन के साथ असम में एन एफ डी एस कार्यान्वित किया है। परियोजना असम में सभी 28 जिलों में और 22 एफआरयु में कार्यान्वित की जा रही है और राज्य में 20 और एफआरयु भी दिसंबर 2019 के मध्य को कार्यात्मक हो जाएंगे। यह परियोजना असम में 536 युवाओं को रोज़गार के अवसर पैदा करने में सक्षम है। वर्तमान में कार्यरत 28 जिला हब लैब और 17 एफआरयु प्रति नमूने औसतन 5.2 जाँच के साथ प्रति दिन लगभग 5000 गरीब और ज़रूरमंद रोगियों की सेवा करने में सक्षम है। परियोजनाएँ वर्ष 2018-19 में असम में 1.24 दशलक्ष जनसंख्या को समावेशित करने में सक्षम थीं और वर्ष 2018-19 के दौरान रु.17.33 लाख की लाभप्रदता उत्पन्न करने में सक्षम बनीं। असम के लिए केंद्रीकृत वास्तविक समय डैशबोर्ड इस परियोजना के मुख्य हाइलाइट्सों में एक है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय निःशुल्क नैदानिक परियोजना : यूपी सीटी स्कैन परियोजना इमेजिंग सेवा क्षेत्र में एचएलएल के मुख्य सीमाचिह्नों में एक है। यह परियोजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन-यूपी के सहयोग से कार्यान्वित की गई है। परियोजना ने 40 जिला अस्पतालों में सीटी प्रचालन के लिए अनुबंध की है जिसमें से 25 पहले से ही क्रियाशील है और इस परियोजना की अवधि 10 वर्षों के लिए है। यह परियोजना वर्ष 2018-19 के दौरान 89 लाख से अधिक गरीब रोगियों तक पहूँच चुकी है और परियोजना वर्ष 2018-19 के दौरान 11.64 करोड का राजस्व उत्पन्न करने में सहायक थी। यूपी सीटी स्कैन परियोजना के लिए केंद्रीकृत वास्तविक समय डैशबोर्ड इस परियोजना के मुख्य हाइलाइट्सों में एक है।

एम्स के साथ सहयोग : रायपुर में हिंदलैब्स एम्स को एचएलएल के प्रगतिशील पथ में युगांतरकारी पहलों में से एक के रूप में माना जाता है। यह परियोजना वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 1.68 की लाभप्रदता के साथ 5.53 करोड का राजस्व उत्पन्न करने में सक्षम थी। वर्तमान में एचसीएस एम्स मंगलगिरी, एम्स गोरखपुर और एम्स नागपुर में नैदानिक सेवाएँ भी प्रदान कर रही है।

अमृत - करोडों की ज़िंदगी को राहत देते हुए

चिकित्सा के लिए किफायती दवा और विश्वसनीय इम्प्लांट (अमृत), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लॉच की गई एक नया पहल, का लक्ष्य है, कैंसर, कार्डियो वैस्कुलर और अन्य बीमारियों के लिए किफायती दवाएं उपलब्ध कराना। जीवन के लिए खतरनाक बीमारियों के उपचार लागत कम करने और हर भारतीय के लिए किफायती चिकित्सा सहित बदलाव लाने के लिए मंत्रालय प्रतिबद्ध है। प्रथम अमृत रीटेल फार्मेसी 15 नवंबर 2015 को एम्स, नई दिल्ली कैंपस में खोला गया। आज अमृत ने ब्रांडेड और ब्रांडेड जेनरिक के अलावा ऑन्कोलॉजी, कार्डियोलॉजी, इंप्लांट्स - स्टेंट, ओर्थो इम्प्लांट्स, मेडिकल डिस्पोसिबिल जैसे विशेषताओं को समाविष्ट करके अपने उत्पाद श्रृंखला का विस्तार किया। वर्तमान में 24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 172 अमृत फार्मेसियाँ हैं, वे डॉक्टरों के प्रामाणिक पर्चे के आधार पर, वहाँ के संस्थानों को मात्र नहीं बल्कि अन्य अस्पतालों में चिकित्सा कर रहे रोगियों को भी, बाजार दरों पर 50% की महत्वपूर्ण छूट पर 5200 से अधिक दवाएं (कार्डियोवेस्कुलर,कैंसर,प्रमेह,स्टेंट्स आदि सहित), इम्प्लांट्स, सर्जिकल डिस्पोसिबिल्स और अन्य उपभोग्य सामग्रियाँ बेचती हैं। 15 नवंबर 2019 तक 168.94 लाख मरीज़ अमृत फार्मेसियों से लाभान्वित हुए हैं। एमआरपी में वितरित दवाओं का मूल्य 1732.54 करोड है और रोगियों को अमृत स्टोरों से रु.885.49 करोड की बचत मिली है, जिससे उनके अन्य खर्च कम हो रहा है।

सत्यमेव जयते

स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

दवाओं और सर्जिकल
उपकरणों के लिए
60%
औसत छूट

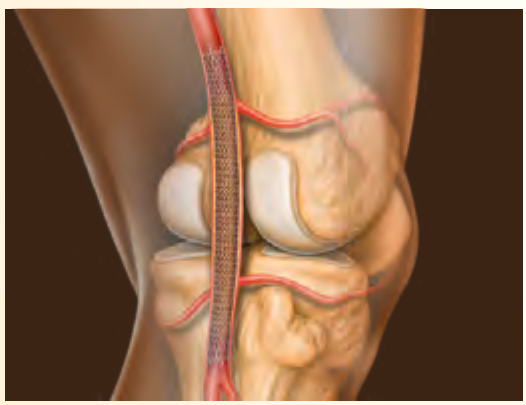

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार के एक नवीन पहल

www. amritcare.co.in

अमृत दीनदयाल मेडिकल्स

चिकित्सा के लिए किफायती दवायें और विश्वसनीय उपकरण

लाइफस्प्रिंग अस्पतालों की महिला अस्पताल के रूप में पुनःस्थितियन

लाइफस्प्रिंग अस्पताल, दक्षिण भारत के हैदराबाद में 10 प्रसूती अस्पताल और विशाखपटनम में एक का संचालन करता है। लाइफस्प्रिंग ने वर्ष 2018-19 में 6000 से अधिक प्रसव उठाया और अपने अस्पतालों में 1.27 लाख से अधिक बहिरंग रोगियों की जाँच कीं। प्रारंभ से, लाइफस्प्रिंग अस्पतालें समुदाय में सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसूती रक्षा प्रदान करने के लिए जाना जाता है। इसने 12 वर्षों की अवधि की अपनी यात्रा में लगभग 60,000 सुरक्षित प्रसव उठा लिया। समुदाय के

लिए अधिक प्रासंगिक होने के लिए लाइफस्प्रिंग स्वयं एक अस्पताल के रूप में प्रतिष्ठित करता है, जो सभी आयुवाली महिलाओं के स्त्री रोग संबंधी समस्याओं का देखभाल करता है। यह किशोरावस्था की लडकियों की भलाई के साथ शुरू होता है ताकि किशोरावस्था के दौरान के स्वास्थ्य मातृत्व परिणामों को प्रभावित करता है। लाइफस्प्रिंग अस्पतालों ने पोषण के लिए नियमित रूप से अपने अस्पतालों के ग्राहकों को सलाह देने की ओर पोषण विशेषज्ञों को तैनात किया है- विशेष रूप से मौसमी रूप से उपलब्ध कम लागतवाले पोषण स्त्रोतों, जो किशोर लडकियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करनेवाली माताओं के लिए अच्छे हैं। इस ने पूरक पोषण उत्पन्न करनेवाली अन्य कंपनियों से इस अभियान के लिए अपेक्षित संसाधन एकत्रित किया है। सेवा कर रहे समुदाय की महिलाएँ शादी के बाद उचित समय पर गर्भधारण करने में असमर्थता के कारण पारिवारिक समस्याओं का सामना करती हैं। हालांकि अधिकांश प्रजनन उपचार अत्यधिक कीमत वाले हैं। लाइफस्प्रिंग अस्पतालों ने इस अवस्था से प्रतिक्रिया दी और हैदराबाद में अपने 10 अस्पतालों में से छः में प्रजनन उपचार के फस्ट लाइन उपचार सस्ती कीमत पर प्रदान करना शुरू किया । लाइफस्प्रिंग अस्पतालों ने लक्षित समुदाय के महिलाओं को सस्ती कीमत पर अपनी सुविधाओं पर लेप्रोस्कोपिक सर्जरी प्रदान करने के लिए लेप्रोस्कोपिक सर्जनों के साथ साझेदारी करना भी शुरू कर दिया । यहाँ भी, लेप्रोस्कोपिक सर्जनों द्वारा आवश्यक उपकरण लाया जाता है और अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता के बिना ऐसी सेवाएँ प्रदान करने के लिए लाइफस्प्रिंग अस्पताल विस्तार कर सकता है। लाइफस्प्रिंग अस्पतालें समुदाय के लिए अधिक प्रासंगिक बने रहेंगे और इन पहलों के साथ विकसित होंगे। हाल ही में समाप्त हुई छमाही में लाइफस्प्रिंग अस्पतालों ने मात्रा के मामले में बेहतर निष्पादन किया और रु.88.19 लाख का लाभ हासिल किया ।

कोविड-19, महामारी की प्रतिरक्षा में एचएलएल का सहायहस्त

कोविड -19 के रोकथाम के लिए एचएलएल में उठाये गये कदम

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल), कोविड - 19 के फैलाव को रोकने के लिए सरकारी संस्थाओं एवं अस्पतालों को समर्थन देने की ओर वैयक्तिक रक्षात्मक वस्त्र, नाइट्राइल दस्ताने, गूगल्स, हैन्डहेल्ड इन्फ्रारेड थेर्मोमीटर, हैंड सैनेटाइज़र और श्वसन वाल्व सहित एन 95 सर्जिकल मास्कों के आपातकालीन प्रापण में लगे हुए हैं। इस बीमारी के तुरंत प्रारंभ के कारण हुई बडी मांग पार करने में सरकार को यह अत्यंत सहायक होगा। एचएलएल ने राज्य सरकार के ''ब्रेइक दि चेइन'' पहल के सिलसिले में कार्यस्थल में स्वास्थ्य प्रणाली भी लागू की है। एचएलएल कोविड - 19 बीमारी के फैलाव को प्रभावी तौर पर रोकने से संबंधित जागरूकता प्रदान करने के लिए वरिष्ठ जेनरल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. राजन के द्वारा एक भाषण भी आयोजित किया गया। एचएलएल में कर्मचारियों की थेरमल स्क्रीनिंग भी प्रारंभ किया। हाथ सफाई करने का कीओस्क भी मुख्य प्रवेश-मार्ग में संस्थापित किया गया। कार्यालय के विभिन्न जगहों पर हैंड सैनेटाइज़र रखे गये। निर्धारित अंतराल में धूम्रीकरण किया गया। कार्यालय में प्रवेश करने को कम करने की ओर एचएलएल कर्मचारियों की पारी योजना में परिवर्तन लाया गया। इस से कर्मचारियों के मेलमिलाप और एकत्रित होने पर कमी हुई और यात्रा कम करने पर ज़ोर दी गयी। सभी यूनिटों के स्वागत क्षेत्र के टी वी मॉनिटरों में कोविड - 19 पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मार्गनिर्देश लगातार दिखाये जा रहे हैं। दरवाज़े के हैंडिल और फर्नीचर जैसे अधिक छूने वाले क्षेत्रों में सही तौर पर सफाई हो रही है। संपर्क प्रभाव के श्रोत को कम करने के लिए न्यूनतम आगंतुकों को अंदर आने की अनुमति देती है।

कोविड-19 : महामारी के दौरान एचएलएल द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियाँ

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लियु), भारत सरकार ने एचएलएल को कोविड-19 के लिए आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति पीपीई किट, वेंटिलेटर और अन्य उपकरणों के प्रापण और वितरण करने का निर्देश दिया और नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया तथा 31 जनवरी 2020 से प्रापण कार्यकलाप शुरू किया गया, । एचएलएल ने एमओएचएफडब्लियु, सिविल विमानन, वस्त्र आदि मंत्रालयों, राज्य सरकारों, डीआरडीओ, आईसीएमआर, आयुध निर्माणी आदि संस्थानों के साथ मिलकर काम किया। इस के सुचारू संचालन के लिए 100 कर्मचारियों को सम्मिलित करके विविध टीम, जैसे सोर्सिंग टीम, आपातकालीन प्रतिक्रिया, गोदाम प्रबंधन, वित्त, वेबसाइट और पत्राचार, लॉजिस्टिक्स और वितरण, तकनीकी गुणवत्ता समिति, आयात आदि बनाये गये।

▶ आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम

(i) आपातकाल प्रतिक्रिया सेल 20 मार्च 2020 से तिरुवनंतपुरम में स्थित एचएलएल के निगमित कार्यालय में गठित किया गया और (ii) नियंत्रण कक्षा आपूर्ति से संबंधित पूछताछ (आपूर्तिकारों से) और वस्तुओं के प्रापण करने (विभिन्न संस्थानों/अस्पतालों के लिए) की ओर दिल्ली में संचालित किया गया है। इस उद्देश्य के लिए विशेष ई मेल आईडी covidep.hll@lifecarehll.com और sdcovidep. hll@life-carehll.com भी बनाए गए। तत्काल प्रतिक्रिया के लिए समर्पित टेलिफोन लाइनों और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ सिस्टम को सक्षम बना दिया गया ।

▶ पीपीई किट और अन्य उत्पादों के प्रापण

(i) एचएलएल ने पीपीई किट और वेंटिलेटर के लिए जीईएम पोर्टल में खरीददार के रूप में पंजीकृत किया और 28873 वेंटिलेटर के लिए आदेश दिये थे। इस के अतिरिक्त एचएलएल ने (ii) नाइट्राइल दस्ताने के लिए 10 आपूर्तिकर्ता

(मात्राः121.105 लाख जोडे) (iii) गॉगल्स के लिए 40 आपूर्तिकर्ता (मात्राः 123.01 लाख) (iv) एन 95 मास्क के लिए 10 आपूर्तिकर्ता (मात्राः 278.98 लाख) 3 प्लाई मास्क, हैंड सैनिटाइज़र, इंफ्रा रेड थर्मामीटर आदि के लिए उपरोक्त आदेशों के अलावा विभिन्न राज्यों/संस्थानों के लिए एचएलएल द्वारा प्राप्त पीओ की ओर प्रापण और आपूर्ति की है।

▶ गोदाम प्रबंधन

i. प्रारंभ में एचएलएल के मौजूदा गोदामों का उपयोग करने के अतिरिक्त, विशेष रूप से कोविड -19 के लिए नई दिल्ली (2 सं.) मुंबई, कोलकात्ता, पंजाब, अहमदाबाद और चेन्नै, बैंगलूर आदि स्थानों पर नए वेयरहाउस खोले गये।

ii. वस्तुसूची प्रबंधन, सामग्री का प्रवाह और बहिर्वाह, चालान और वितरण टिप्पणी प्रेषण के लिए प्रबंधन प्रणाली आई टी सक्षम किए गए हैं।

iii. आई टी आपूर्तिकर्ताओं के लिए भुगतान प्रणाली सक्षम किया गया है, जहाँ आपूर्तिकर्ता स्पष्ट बीजक और स्पष्ट डिलीवरी पावती चालान अपलॉड करता है, जिस पर सोर्सिंग टीम द्वारा सत्यापन के बाद भुगतान के लिए वित्त टीम को भेजा जाता है। औसतम भुगतान समय 4 दिवस है।

▶ पी पी ई किट का आयात

i. एम ई ए के माध्यम से रखे गए आयात आदेशों के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई।

ii. भारतीय मिशन/दूतावासों के माध्यम से शिपमेंट के आयात को समन्वित करना।

iii. तीन एयरलाइनों के साथ चार्टर समझौतों पर हस्ताक्षर - एयर इंडिया, ब्लू डार्ट और स्पाइस जेट - नागरिक विमानन मंत्रालय के ज़रिए योजना बनायी गयी है। 5 दिनों की अवधि में 150 उड़ान संचालन।

iv. आयात निकासी के लिए क्लियरिंग हाउस एजेंट को नियुक्त किया गया।

v. सुचारू और समयबद्ध सीमा शुल्क निकासी के लिए आईजीएसटी के पूर्व बिल का भुगतान और आईजीएसटी का भुगतान।

vi. भुगतान के लिए बीजक का प्रमाणन आईजीएसटी और हावाई माल भाड़ा शुल्क को कवर करता है।

vii. 24 अगस्त, 2020 तक एचएलएल ने 111 उड़ानों के संचालन के साथ-साथ आयात कार्गो के लिए 121 बिल प्रविष्टियों को दर्ज करके पीपीई के 2800 एम टी (मेट्रिक टन) का आयात किया है।

▶ तकनीकी समिति

i. 27 मार्च, 2020 को कोविड - 19 के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के विभिन्न विदेशी निर्माताओं/आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त गुणवत्ता प्रमाण-पत्रों की जांच के लिए एक तकनीकी समिति का गठन किया गया था।

ii. प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए समर्पित ई- मेल ibdcovid19hll@gmail.com.

iii. पीपीई किट की आपूर्ती के लिए प्राप्त लगभग 165 प्रस्ताव (एमईए से 50 और सीधे एचएलएल द्वारा- 115) के यथोचित परिश्रम लिये गये हैं। विनिर्देशों के अनुपालन के लिए लगभग 3500 प्रमाणपत्र और करीब 4000 परीक्षण रिपोर्टों का मूल्यांकन किया गया।

iv. अंतर्राष्ट्रीय प्रापणों के गुणवत्ता आश्वासन

क. पीपीई कवरॉल के लिए मानक परीक्षण प्रोटोकॉल बनाया गया जिसमें शामिल हैं:

i. कवरॉल बायोहज़ार्ड प्रदर्शन यानी सिंथेटिक रक्त प्रवेश परीक्षण (आईएसओ 16603: क्लास 3, एएसटीमएएफ 1670) क्षेत्र में जारी करने के पहले।

ii. अंतर्राष्ट्रीय मानक नमूने दिशानिर्देश आईएसओ-2859 - भाग 1 के साथ इनलाइन करके परीक्षण किया जाना (5 लाख के प्रति

बैच के 5 नमूने);

iii. जी बी 19082 (चीनी मानक) के अलावा ईएनईएन 14126 (यूरोपियन मान) के अनुसार कवरॉल के बेंचमार्किंग मानक

iv. विनिर्माता/आपूर्तिकार के द्वारा मूल देश के तैयार उत्पाद के परीक्षण का विकल्प और तीसरी पार्टी निरीक्षण रिपोर्ट प्रदान करना।

ख. के एन 95 मास्क के लिए समान टेस्टिंग प्रोटोकॉल

i. 5 लाख अदद के प्रति बैच के 100 नमूनों पर परीक्षण

ii. पर्टिकुलेट फिल्ट्रेशन एफिशिएंसी (पीएफई) और मास्क की आंतरिक रिसाव (आई एस 9473 & ई एन 149: एफएफपी 2 मानक) और अन्य प्रयोज्य मापदंडों जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों के परीक्षण।

iii. विनिर्माता आपूर्ति करने से पहले बीआईएस अनुमोदित लाइसेंसधारी लैब में एन 95 मास्क का परीक्षण।

▶ बीआईएस समन्वय

भारत में आयातित एन 95 मास्क के परीक्षण के लिए कोई स्टैंडअलोन लैब नहीं था, अतः एन 95 मास्क के परीक्षण भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मदद से किया था। एचएलएल ने बीआईएस अधिकारियों की देखरेख में परीक्षण करने के लिए तीन प्रमुख बीआईएस अनुमोदित लाईसेंसधारी लैबों के साथ समन्वय किया।

▶ घरेलू प्रापण के गुणवत्ता आश्वासन

क. एचएलएल क्यु ए टीम द्वारा टेस्टिंग प्रोटोकॉल के विभिन्न सेट

i. वस्त्र मंत्रालय (एमओटी) द्वारा अद्वितीय प्रमाणन कोड (युसीसी) के साथ प्रदान किए गए विनिर्माताओं के कवरॉल का गुप्त परीक्षण किया, यानी आपूर्तिकर्ता की पहचान को दूर करने के लिए कवरॉल का अनमास्किंग किया।

ii. 5 लाख तक के आकार से 5 अदद के रैंडम सैंपलिंग (एमओटी अनुमोदित परीक्षण योजना के अनुसार)

iii. विभिन्न एमओटी अनुमोदित लैब में एएसटीएमएफ 1670/आईएसओ 16603 क्लास 3 परीक्षण के अनुसार सिंथेटिक रक्त प्रवेश परीक्षण

iv. कपडे और सीम स्ट्रेंथ टेस्ट पास करने के लिए एक कठिन मापदंड था, परीक्षण बैच का आकार 10,000 अदद और एचएलएल ने परीक्षण के लिए दो स्तरीय दृष्टिकोण अपनाया :

1. प्रेषण के बाद का परीक्षण आपूर्तिकर्ता - वार परीक्षण प्रत्येक एचएलएल डिपो में आईएसओ 16603: क्लास 3, के अनुसार सिथेटिक रक्त प्रवेश परीक्षण के लिए किया गया था, जिन्होंने पहले ही अपने उत्पादों को एचएलएल डिपो को भेज दिया है।

2. प्रेषण के पूर्व परीक्षणः तीसरी पार्टी निरीक्षण (टीपीआई) एजेंसियों को कवरॉल विनिर्माताओं के साइट ऑडिट का संचालन करने के लिए लगाए गए और कवरॉल के 5 से 5000-10000 अदद नमूने लेते हैं और एमओटी अनुमोदित लैबों में परीक्षण करते हैं।

▶ वित्त टीम

i. सोर्सिंग/आईबीडी और लॉजिस्टिक्स से प्रमाणित चालान की ओर आपूर्तिकर्ताओं को समय पर भुगतान

ii. प्राप्त अग्रिम और निधि प्रबंधन का अनुवीक्षण

iii. आपूर्तिकर्ताओं को बैंक गारंटी और अन्य अग्रिमों का प्रबंधन।

iv. जीएसटी,टीडीएस और अन्य सांविधिक प्रेषणों का अनुपालन।

v . निधि पर बैंक, आपूर्तिकर्ताओं और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच सुलह

vi. बहीखाता, लेखापरीक्षा, लेखाओं के अनुपालन एवं निपटान।

vii. 22 जुलाई 2020 तक, एचएलएल को कोविड - 19 आपातकालीन प्रापण के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से 1255.90 करोड़ का अग्रिम प्राप्त हुआ है।

▶ वेबसाइट और संचार टीम

i. एचएलएल वेबसाइट का नियमित और समय पर अद्यतन।

ii. प्रेस विज्ञप्ति और मीडिया समन्वय

▶ लॉजिस्टिक्स और वितरण

I. विभिन्न ग्रहकों के लिए विभिन्न विक्रेताओं से गोदामों पर प्राप्त सामग्री आवश्यकता के अनुसार प्राप्त करना, जमा करना, औचित्य स्थापन अपेक्षित जैसे सामग्रियों को वितरित करना।

II. वायु/रेल/रोड उपयोग करके ग्रहकों के गोदामों से प्राप्त माल की लॉजिस्टिक्स।

III. सोर्सिंग प्रभाग से प्राप्त पावती दस्तावेज़ें और गोदाम से वितरित चालान के आधार पर एसएपी में क्रय आदेश, जीआरएन और बिक्री बीजक जनरेट करना।

IV. वेंडर चालान,डेलिवरी चालान /बीजक, सामानों के वितरण की प्राप्ति के प्रमाण आदि दस्तावेज़ों के रिकार्ड बनाए रखना।

V. संसाधन और भुगतान करने के लिए सामग्रियों की प्रापण लागत, गोदाम का खर्च, परिवहन बिल, विक्रेता चालान द्वारा समर्थित, बिक्री का चालान आदि द्वारा दावों का प्रस्तुतीकरण।

VI. 24 अगस्त 2020 तक 30 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 150 चिकित्सा संस्थानों को कवर करते हुए कोविड-19 प्रबंधन के लिए निम्नलिखित सामग्रियों का वितरण किया गया।

क. पीपीई किट : 131.65 लाख किट

ख. एन 95 मास्कों : 331.98 लाख

ग. वेंटिलेटर : 5879 यूनिट

उपरोक्त के अतिरिक्त 3 प्लाई मास्क, हैंड सैनेटाइज़र, इन्फ्रारेड थेर्मोमीटेरों को भी विभिन्न राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के पी ओ के अनुसार वितरित किए गए हैं।

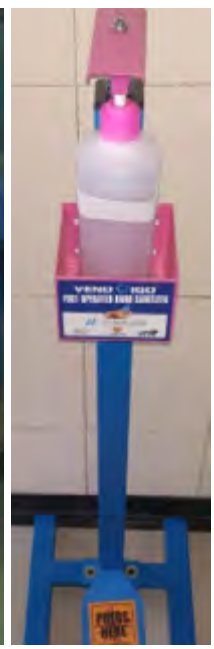

▶ एचएलएल द्वारा विनिर्माण/नवाचार

i. डब्लियुएचओ विनिर्देशों के अनुसार 'मेडिगार्ड' ब्रांड नाम के अधीन हैन्ड सैनिटाइज़ेर्स का विनिर्माण।

ii. ब्रांड नाम 'वेन्डिगो' के अधीन स्वाचालित सैनिटाइज़र मशीन विकसित किया गया।

iii. श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टिट्यूट फॉर मेडिकस साइन्सस एंड तकनॉलजी (एससीआईएमआईएमएसटी) के तकनीकी सहयोग के साथ कोविड रोगियों के निकट काम कर रहे स्वास्थ्य कामगारों के लिए लाइन ऑफ डिफेंस प्रदान करने के लिए चित्रा स्वाब संग्रह बूथ और परीक्षण बूथ का निर्माण।

iv. चित्रा में 'कीटाणुशोधन गेटवे' एक कीटाणुशोधन सुरंग, जो एससीआईएमआईएमएसटी के साथ तकनीकी सहयोग में प्रवेश/निकास से पहले व्यक्तियों के कपड़े, बैग और हाथों पर वायरल लोड को कम करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर इस्तेमाल किया जा सकता है, का निर्माण।

v. कैनडा से कच्चा माल, 'मेकशुवर', ब्रांड नाम के अधीन सभी संदिग्ध रोगियों की प्रारंभिक जांच के लिए रैपिड एंटीबॉडी (IgG/IgM) डायग्नोस्टिक किट।

▶ एमईए के लिए आपातकालीन खरीद

कोविड 19 का सामना करने के लिए विभिन्न भागीदारीवाले देशों के लिए मानवतावादी सहायता के हिस्से के रूप में, भारत सरकार आवश्यक दवाओं, सर्जिकल मदों, पीपीई किट, एन 95 मास्क आदि की आपूर्ति कर रही हैं। एचएलएल को इन मदों की खरीद और लॉजिस्टिक्स सेवाओं के लिए नोडल एजेंसी के रूप में एमओएचएफडब्लियु द्वारा नामित किया गया है। एचएलएल को एमईए से 64 देशों को आपूर्ति के लिए आदेश प्राप्त हुए और 22 जुलाई 2020 तक एमईए को 58 देशों के लिए मेडिकल आपूर्ति पहले ही दी है।

मेकशुअर-

एचएलएल का कोरोना वायरस रैपिड टेस्ट किट

एचएलएल लाइफ़केयर पहला पीएसयू है जिसको आईसीएमआर से "मेकशुअर" नाम से ब्रांडेड रैपिड टेस्ट किट बनाने के लिए अनुमोदन प्राप्त हुआ है; किट का विकास और निर्माण एचएलएल की मनेसर यूनिट करती है। इसे आरजीसीबी की किट स्वीकृति प्राप्त हुई और इस की कीमत रु. 380/- होगी। एचएलएल और आरजीसीबी प्रत्येक को 2 लाख किट बनानी है।

दोनों किट की कीमत रु. 400/- से कम है।
एचएलएल को वीटीएम किट और सैनेटाईसर भी बनाना है।

दो सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम - एचएलएल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक केंद्रीय सरकार उद्यम और तिरुवनंतपुरम में स्थित राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (आरजीसीबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक राष्ट्रीय संस्थान - ने कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए अलग से रैपिड डायग्नोस्टिक एंटीबॉडी किट विकसित किया है।

एचएलएल की "मेकशुअर" किट एक-चरणीय नवीन कोरोना वायरस (कोविड-19) आईजीएम/आईजीजी एंटीबॉडी पहचान है, जो मानव सीरम, प्लाज्मा या श्वसन संक्रमण के संकेतों और लक्षणों से युक्त रोगी से प्राप्त संपूर्ण रक्त से होता है। हरियाणा के मनेसर में एचएलएल की रैपिड डायग्नोस्टिक किट निर्माण सुविधा में निर्मित किट को भारत में उपयोग करने के लिए एनआईवी, पुणे और आईसीएमआर द्वारा वैधता और अनुमोदन प्रदान किया गया है।

एचएलएल भारत के सार्वजनिक क्षेत्र की पहली कंपनी है, जिसको कोविड-19 की पहचान के लिए रैपिड एंटीबॉडी किट बनाने और आपूर्ती करने के लिए आईसीएमआर से अनुमोदन प्राप्त हुआ है। एचएलएल विभिन्न आईसीएमआर अनुमोदित परीक्षण सुविधायें और अस्पतालों में आपूर्ती के लिए 2 लाख किट बनाने की योजना बना रही है और इसकी कीमत प्रति किट रु. 350/- और रु. 400/- के बीच में होगी।

देश को डायग्नोस्टिक किट की भारी कमी का सामना करना पड रहा है क्योंकि कोविड-19 के मामले हर दिन 10 से 12 प्रतिशत से अधिक बढ रहे हैं। मायलाब, पुणे स्थित एक बायोटेक कंपनी और चेन्नई के ट्रिविट्रॉन हेल्थकेयर ने इस बीमारी से लडने के लिए पहले से ही रैपिड डायग्नोस्टिक किट विकसित किए हैं।

आरजीसीबी की किट, कोच्ची में आरजीसीबी परिसर मे स्थित यूबीओ बायोटेक्नोलॉजी नामक कंपनी द्वारा इनक्युबेट किया गया है। एक दिन में लगभग दो लाख किट और एक महीने में लगभग 60 लाख किट बनाने की योजना है।

रिपोर्ट के अनुसार, उत्पाद की कीमत रु. 380/- रखने की योजना है।

एचएलएल की रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 परीक्षण के परिणाम 15-20 मिनट के अंदर वितरित किये जा सकते है। एचएलएल वायरल ट्रांसपोर्ट मीडियम (वीटीएम) किट को विकसित और निर्माण करने की योजना भी बना रही है, जो देश में कम आपूर्ति में है, क्योंकि परमाणु परीक्षण का परिमाण भारी मात्रा में आवश्यक होगा। एचएलएल ने पेरूरकड़ा, तिरुवनंतपुरम और बेलगाम, कर्नाटक फैक्टरियों की अपनी विनिर्माण सुविधाओं से हैंड सैनिटाइज़र 'मेडिगार्ड' का निर्माण शुरू किया है।

रैपिड परीक्षणों में सकारात्मक परिणाम निकलने वालों को नवीन कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन - पोलीमरेज चेन रिएक्शन (आरटी-पीसीआर) परीक्षण करना पडता है। जबकि रैपिड एंटीबॉडी किट 30-45 मिनट के भीतर परिणाम देते है, आरटी - पीसीआर परीक्षण के परिणाम में लगभग एक दिन लग सकता है।

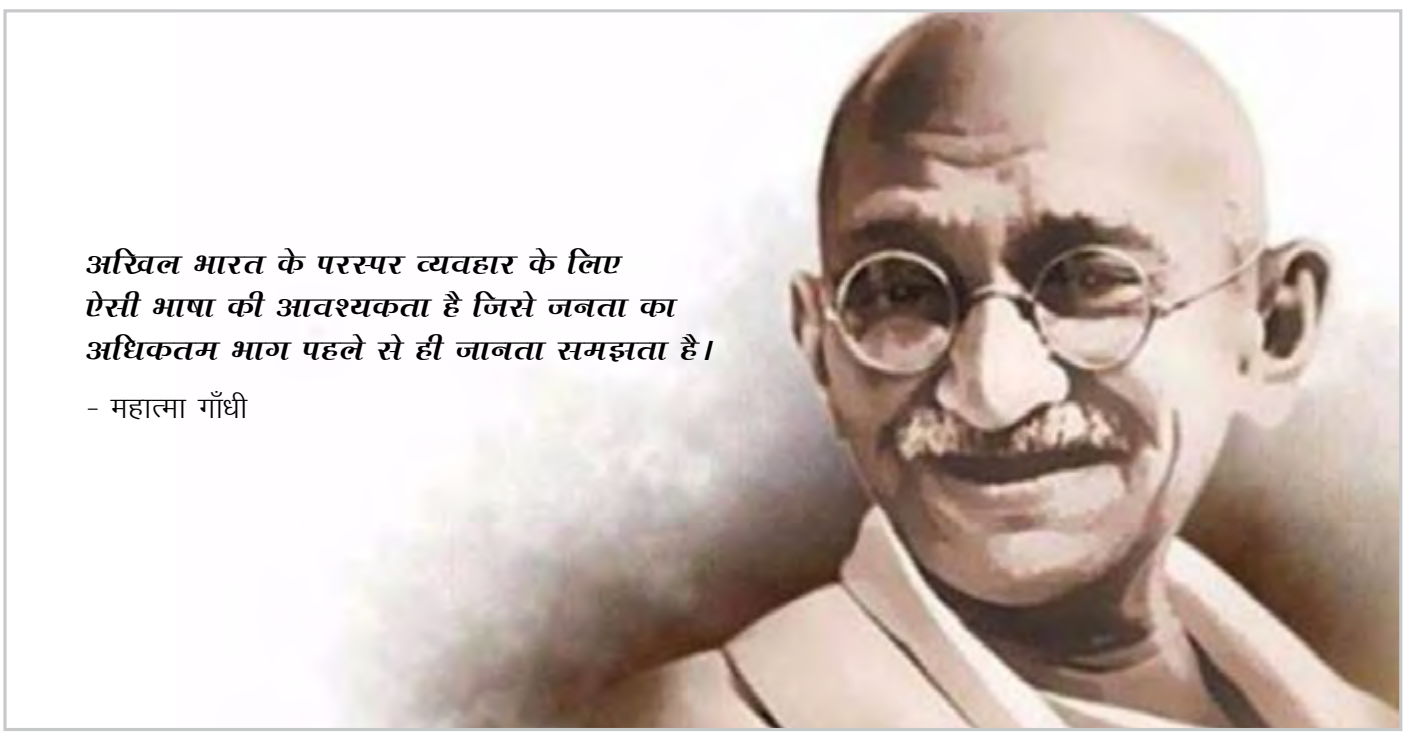

कोविड संकट काल एचएलएल को नयी ऊर्जा प्रदान करते हुए...

केंद्र सरकार का कोविड-19 संपर्क प्रयासों के पूरकीकरण में एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड द्वारा प्रदान की जा रही निर्णायक भूमिका से कंपनी, जिसे विनिवेश के लिए सूचीबद्ध की गयी थी, को एक लाइफलाइन मिलने की उम्मीद है । कंपनी अब दवाओं एवं संबद्ध सामानों की खरीद व वितरण में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। यह महत्वपूर्ण भूमिका इसे भविष्य में भी समस्याओं को निपटाने के लिए संघ स्वास्थ्य मंत्रालय की कार्यप्रणाली के अभिन्न अंग बनने की प्रत्याशा की जाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हाल ही में कोविड-१९ प्रभाव से विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करने के लिए एक प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा करते हुए संघ वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने कहा कि सभी कार्यनीति क्षेत्रों में चार सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयु) को बनाए रखेंगे। जबकि घोषणा, कई सार्वजनिक उपक्रमों के लिए एक अशिष्ट झटके के रूप में आयी और कर्मचारियों एवं उद्योग को परेशान करते हैं, तो यह घोषणा एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के मामले में एक आशीर्वाद के रूप में आयी है, जो वह सार्वजनिक क्षेत्र में एक ऑल आउट बोली बनती है। इसके ट्रैक रिकोर्ड और महत्व को देखकर, केंद्र द्वारा कंपनी में अपनी हिस्सेदारी को विभाजित करने के फैसले को पलटने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। कंपनी संपूर्ण राज्य में पहुँचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित है और इसे वायरस नियंत्रण कार्यों में अनिवार्य विभिन्न उत्पादों के उत्पादन बढाने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। कंपनी ने वर्ष 2019-20 में रु. 50 करोड का प्रचालन लाभ दर्ज किया है और वायरस के खिलाफ लड़ाई शुरू होने के बाद लगभग रु. 2000/- करोड़ की खरीदारी संभाली है। जबकि केंद्र द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ये प्रक्रियाएँ आगे बढ़ रही थीं, महामारी ने एक बोल्ट के रूप में आकर पूरी प्रक्रिया को निष्फल कर दिया।

एचएलएल प्रतीक्षा छात्रवृत्ति

एचएलएल की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) से मतलब है, 'समाज की देखभाल करना, हमारे आसपास के लोगों को यथा संभव मूल्य जोडकर योगदान देना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना।' एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल) के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) कार्यक्रमों के लिए गठित प्रतीक्षा धर्मार्थ सोसाइटी द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम में आगे पढने के लिए इच्छुक केरल और कर्नाटका के ज़रूरतमंद छात्रों, यानी बी पी एल श्रेणी के अकादमिक रूप से उत्कृष्ट छात्रों, को वित्तीय सहायता प्रदान करने की ओर प्रतीक्षा छात्रवृत्ति लॉंच की गयी है। इससे योग्य छात्रों को व्यापक श्रेणी में अवसर प्रदान करने और उन्हें राज्य के मूल्यवान नागरिक बनाने की उम्मीद की जाती है। इस योजना के अधीन, इंजीनियरिंग, मेडिसिन, बी.फ़ार्म, नर्सिंग, आई टी आई और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वर्ष 2014 में 30 छात्रों को छात्रवृत्ति देकर प्रारंभ की गयी प्रतीक्षा छात्रवृत्ति से अब तक तिरुवनंतपुरम और कर्नाटका के बेलगाम जिले के 180 से अधिक विद्यार्थियों को अनुदान प्राप्त हुआ है। एचएलएल के प्रबंधन तथा तिरुवनंतपुरम और बेलगाम के एचएलएल के प्रमुख विनिर्माण यूनिटों के कर्मचारी प्रतीक्षा छात्रवृत्ति के लिए वित्तीय सहायता देते हैं। सोसाइटी के लिए निधि, कर्मचारियों के वैयक्तिक योगदान और कंपनी के सी एस आर निधि के ज़रिए जुटाई है। एम बी बी एस के लिए चयनित छात्र प्रत्येक को रु.30,000/-, इंजीनियरिंग एवं बी-फार्म पढने वालों के लिए रु.20,000/-, डिप्लोमा और नर्सिंग पाठ्यक्रम कर रहे छात्रों को रु.10,000/- और आई टी आई पढने वालों को रु.5,000/- का वार्षिक अनुदान दिए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम सफल तरीके से पूरा करने वालों को प्रति वर्ष यह अनुदान देते हैं। वर्ष 2019-2020 के दौरान तिरुवनंतपुरम और बलगाम के 30 विद्यार्थियों को प्रतीक्षा छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। श्री के. बेजी जोर्ज, आईआरटीएस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल द्वारा 26 मई 2020 को तिरुवनंतपुरम के विद्यार्थियों को और 19 मार्च 2020 को श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) द्वारा बलगाम के छात्रों को प्रतीक्षा छात्रवृत्ति वितरित की गयीं।

कृपया ध्यान दीजिए

निम्न दस्तावेज़ों का 100% अनुपालन द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेज़ी) रूप में सुनिश्चित करें।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अधीन आनेवाली दस्तावेजें

सामान्य आदेश	GENERAL ORDERS
संकल्प	RESOLUTION
नियम	RULES
अधिसूचनायें	NOTIFICATIONS
प्रेस संसूचनायें / विज्ञप्तियाँ	PRESS COMMUNIQUES / RELEASES
संविदा (ठेका)	CONTRACTS
करार	AGREEMENTS
लाईसेंस / अनुज्ञप्ति	LICENSES
परमिट / अनुज्ञापत्र	PERMITS
सूचनाएं	NOTICES
निविदा प्रारूप	TENDER FORMS
निविदा नोटीस	TENDER NOTICES
संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाले शासकीय कागज़ातें	OFFICIAL PAPERS TO BE LAID BEFORE A HOUSE OR HOUSES OF PARLIAMENT
संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाले शासकीय और अन्य रिपोर्ट	ADMINISTRATIVE AND OTHER REPORTS TO BE LAID BEFORE A HOUSE OR HOUSES OF PARLIAMENT

'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।।
विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार ।
सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार ।।'

- भारतेंदु हरिश्चंद

क्षेत्र 'क'	REGION 'A'
बिहार	BIHAR
झारखण्ड	JHARKHAND
हरियाणा	HARYANA
हिमाचल प्रदेश	HIMACHEL PRADESH
छत्तीसगढ़	CHATTISGARH
मध्य प्रदेश	MADHYA PRADESH
राजस्थान	RAJASTHAN
उत्तर प्रदेश	UTTAR PRADESH
उत्तराखंड	UTTARAKHAND
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	UNION TERRITORY OF ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
क्षेत्र 'ख'	**REGION 'B'**
गुजरात	GUJARAT
महाराष्ट्र	MAHARASHTRA
पंजाब	PUNJAB
संध राज्य क्षेत्र चंडीगढ़,दमण और दीब तथा दादरा एवं नगर हवेली	UNION TERRITORY OF CHANDIGARH, DAMAN & DIU and DADRA & NAGAR HAVELI
क्षेत्र 'ग'	**REGION 'C'**
असम	ASSAM
आंध्रा प्रदेश	ANDRA PRADESH
उडीसा	ORISSA
कर्नाटका	KARNATAKA
केरल	KERALA
जम्मू & कश्मीर	JAMMU & KASHMIR
तमिल नाडु	TAMIL NADU
त्रिपुरा	TRIPURA
नागालैण्ड	NAGALAND
पश्चिम बंगाल	WEST BENGAL
मणिपुर	MANIPUR
मेघालया	MEGHALAYA
सिक्किम	SIKKIM
मिज़ोराम	MIZORAM
गोवा	GOA
अरुणाचल प्रदेश	ARUNACHAL PRADESH
&	&
संघ राज्य क्षेत्र	UNION TERRITORIES OF
पुतुच्चेरी	PUDUCHERRY
लक्षद्वीप	LEKSHADWEEP

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन पर एक नज़र

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2019

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के हिंदी पखवाड़ा समारोह का उद्घाटन हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस द्वारा 15 अक्तूबर, 2019 को पेरूरकड़ा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में भद्रदीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में केंद्र सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग बढाने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के बारे में उल्लेख किया। आगे उन्होंने जोडा कि इस प्रकार हिंदी पखवाड़ा समारोह आयोजित करने का उद्देश्य ही हिंदी में अधिक काम करने के लिए लोगों को प्रेरित करना और उसके के लिए एक अनुकूल माहौल बना देना। इस दृष्टि से अर्थात् अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने

के लिए कर्मचारियों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने की ओर हिंदी पखवाड़ा के दौरान प्रत्येक यूनिट में सबसे अधिक काम हिंदी में करनेवाले एक कर्मचारी को रु.2000/- का नकद पुरस्कार प्रदान करने की एक योजना भी उन्होंने घोषित किया।

इस अवसर पर महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा के पूर्व कुलपति, डॉ.जी. गोपिनाथन ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने अपने भाषण में गांधीयन दर्शन पर जोर देकर हिंदी की महत्ता के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने जोडा कि हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने पर ज़ोर दी, क्योंकि उनको मालूम था भारत जैसे विभिन्न भाषायें बोलने वाले राष्ट्र के लोगों को एकसाथ लाने के लिए एकदम सशक्त भाषा हिंदी ही है। अतः इस भाषा के प्रचार के लिए उन्होंने हिंदी प्रचार सभा संस्थापित किया। हिंदी भाषा के प्रचार - प्रसार के क्षेत्र में दक्षिणी क्षेत्र का योगदान महत्वपूर्ण ही है। उनकी राय में केरल में विभिन्न भाषाओं की पुस्तकों का अनुवाद कार्य अधिक मात्रा में चल रहा है, वास्तव में यह हिंदी भाषा के विकास के लिए अधिक सहायक बन गया है। साथ ही उन्होंने राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के क्षेत्र में एचएलएल द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना भी की।

आगे कंपनी के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री ई.ए.सुब्रमण्यन और निदेशक (वित्त), डॉ. गीता शर्मा ने आशीर्वाद भाषण दिया। निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) ने अपने आशीर्वाद भाषण में कंपनी में राजभाषा हिंदी के लिए अनुकूल वातावरण लाने और इसके प्रोन्नमन में सहयोग देने पर आह्वान दिया। निदेशक (वित्त) ने कर्मचारियों से हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान आयोजित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की प्रेरणा दी।

समारोह में माननीय गृह मंत्री का संदेश पेरूरकड़ा फैक्टरी के उप महा प्रबंधक (आर & डी), श्रीमती एस.वी.बानु ने पढ़ा। एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), श्री के. विनयकुमार और उप उपाध्यक्ष (हिंदी), डॉ.वी. के.जयश्री ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता व्यक्त किए।

इसके अलावा, हिंदी पखवाडा समारोह के शुभ अवसर पर कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सभी कर्मचारियों से अपना अधिकतम शासकीय कार्य हिंदी में भी करने का आह्वान करके सभी को अपील जारी किया गया है।

हिंदी प्रतियोगिताएँ

हिंदी पखवाड़ा समारोह के सिलसिले में 18.10.2019 को एचएलएल की पेरूरकड़ा फैक्टरी में कंपनी के कर्मचारियों के लिए और 20.10.2019 को कर्मचारियों के बच्चों (कॉलेज, हाई स्कूल, मिडिल स्कूल, प्राइमरी स्कूल और पाँच वर्षों के कम आयु के बच्चों) के लिए विविध हिंदी प्रतियोगिताएँ (हिंदी निबंध लेख, श्रुतलेख, सुलेख, हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी देशभक्ति गीत, अनुवाद, प्रशासनिक शब्दावली, टिप्पण और आलेखन, तश्वीर क्या बोलती है, हिंदी समाचार वाचन, हिंदी कविता पाठ, हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी वक्तृता) चलायी गयीं। इन प्रतियोगिताओं में 25 कर्मचारियों तथा 15 बच्चों ने भाग लिए।

उच्च कार्यपालकों के लिए हिंदी प्रतियोगिताएँ

कंपनी के कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें आयोजित करने के अलावा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों और उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों के लिए क्रमशः 06.12.2019 एवं 07.12.2019 को हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इसमें 17 अधिकारियों की भागीदारी हुई।

हिंदी वाक्-पटुता कार्यक्रम

कंपनी के कर्मचारियों को हिंदी में अपनी राय व्यक्त करने के लिए अवसर प्रदान करने को लक्ष्य करके एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में 19 नवंबर, 2019 को "स्त्री सुरक्षा" विषय पर वाक्-पटुता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कंपनी के विभिन्न यूनिटों की भागीदारी हुई। श्री एस.वेणुगोपाल, संयुक्त महा प्रबंधक (पीपी, एस ः ई), एचएलएल-पीएफटी; श्री युधिष्ठिर महाराणा, प्रबंधक (एफ - आरबीडी), एचएलएल - सीएचओ और श्रीमती राजी आर.एल, एम जी 3, एचएलएल - एएफटी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुए।

हिंदी कार्यशाला

कंपनी के कर्मचारियों को अपना सरकारी काम हिंदी में भी करने को प्रेरित करने और उसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने की ओर अक्तूबर 2019 से मार्च 2020 तक के दौरान हिंदी में विविध स्तर की कार्यशालायें --- फैक्टरी कर्मचारियों के लिए राजभाषा पर जागरूकता कार्यक्रम और बोलचाल हिंदी क्लास (11.11.2019), प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति और हिंदी प्रौद्योगिकी पर जागरूकता कार्यक्रम (13.11.2019) और संघ नेताओं के लिए राजभाषा पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम (19.11.2019) --- आयोजित की गयीं। इन कार्यशालाओं से 66 अधिकारी/कर्मचारी प्रशिक्षित किए गए।

कार्यपालकों के लिए हिंदी में तकनीकी सेमिनार

कंपनी के उच्च कार्यपालकों को अपना शासकीय कार्य कंप्यूटर एवं मोबाइल में हिंदी सॉफ्टवेयर के ज़रिए करने की तरीका से परिचित कराने के लिए 16.11.2019 को कार्यपालकों के लिए हिंदी में तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया। श्री अनिल कुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई ने इन्सक्रिप्ट कीबोर्ड, गूगिल हिंदी अनुवाद, फोटो अनुवाद, गूगिल इंडिक, हिंदी वॉयस टाइपिंग आदि के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस तकनीकी सेमिनार से 16 कार्यपालकों ने लाभ उठाया। एचएलएल के डॉ.वी. के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद की भूमिका निभायी।

हिंदी पखवाडा - *समापन समारोह*

एचएलएल के हिंदी पखवाडा के समापन समारोह का उद्घाटन 18 जनवरी 2020 को पेरूरकडा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस द्वारा किया गया। उन्होंने अपने भाषण में कंपनी में राजभाषा के प्रचार-प्रसार और कार्यान्वयन के लिए उठाये गये कदमों और इनके अनुपालन के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उनके एकजुट परिश्रम की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने हिंदी पखवाडा के दौरान आयोजित विविध कार्यक्रम, प्रतियोगिता, कार्यशाला आदि में कर्मचारियों की उत्सुक भागीदारी का भी उल्लेख किया। आगे श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) ने आशीर्वाद भाषण दिया। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एच आर), श्री के.विनयकुमार और संयुक्त महा प्रबंधक (आर & डी), श्रीमती एस.वी.बानु ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद भाषण दिया। इस समारोह में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों, संघ नेताओं, कर्मचारियों और बच्चों ने भाग लिया।

राजभाषा चल वैजयन्ती

एचएएल के यूनिटों में प्रभावी तौर पर राजभाषा निष्पादन लाने के उद्देश्य से कंपनी में एक राजभाषा चल वैजयन्ती संस्थापित की गयी है।

इस बार इस पुरस्कार के लिए हकदार बन गयी है, एचएलएल-पेरूरकडा फैक्टरी। हिंदी पखवाडा के समापन समारोह में श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने पेरूरकडा फैक्टरी के यूनिट प्रधान, श्री जी. कृष्णकुमार को यह पुरस्कार प्रदान किया।

इसके अलावा श्री के.बेजी जोर्ज ने हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान कंपनी के अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं, एस एस एल सी/सी बी एस ई/प्लस टू परीक्षाओं में हिंदी विषय में 'ए' ग्रेड या 90% से अधिक अंक प्राप्त कर्मचारियों के बच्चों, वाक्पटुता कार्यक्रम के विजेताओं, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों और उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों के लिए आयोजित प्रतियागिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

राजभाषा निरीक्षण

एचएलएल के विविध यूनिटों के राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में प्रगति लाने के लिए प्रत्येक यूनिट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मार्गनिर्देश देने की ओर एचएलएल निगमित मुख्यालय, पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी और हाइट्स में प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा राजभाषा निरीक्षण करके आवश्यक सुझाव दिये गये।

स्कूल विद्यार्थियों के लिए बोलचाल हिंदी क्लास और हिंदी प्रतियोगिता

स्कूल के बच्चों के मन में राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति विशेष रुचि पैदा करने के लिए 05.12.2019 को चिन्नम्मा मेम्मोरियल गेल्स हायर सेकंडरी स्कूल, महिलामंदिरम, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम के विद्यार्थियों (प्लस टु, हाई स्कूल, मिडिल स्कूल एवं प्राइमरी स्तर) के लिए हिंदी सुलेख, हिंदी वक्तृता, हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी कविता पाठ और हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन एचएलएल के उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) डॉ.वी.के.जयश्री ने किया। स्कूल के हेडमिस्ट्रस श्रीमती शांति.टी.एस और एचएलएल के प्रबंधक (राजभाषा) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने भाषण दिया। इन प्रतियोगिताओं में करीब 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बाद में, 14.02.2020 को स्कूल असेम्ब्ली के समय पर एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) श्री के.विनयकुमार ने सभी विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों पर राष्ट्र का भविष्य खडा है। इसलिए छात्र - छात्राओं के लिए समयनिष्ठा का पालन करना अत्यंत ज़रूरी है। हिंदी भाषा के प्रचार - प्रसार के मद्देनज़र एचएलएल के कॉर्पोरेट जिम्मेदारी कार्यक्रम के अधीन यह प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसके अलावा विद्यार्थियों को हिंदी में बातचीत करने के लिए सक्षम बनाने की ओर हफ्ते में एक दिन दो घंटे बोलचाल और हिंदी व्याकरण क्लास भी चलाया जाता है।

विश्व हिंदी दिवस

राजभाषा हिंदी के प्रचार - प्रसार में प्रमुखता देते हुए विश्व हिंदी दिवस यानी 10 जनवरी 2020 को एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के मिनी कॉन्फ्रेन्स हॉल में कंपनी के कर्मचारियों को लिए राजभाषा पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पेरूरकडा फैक्टरी के संयुक्त महा प्रबंधक (गुणवत्ता आश्वासन) श्रीमती स्मिता.एल.जी द्वारा किया गया। इस कार्शाला से 20 कर्मचारियों ने लाभ उठाया। श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय ने क्लास लिया। डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

पारंगत प्रशिक्षण

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना शासकीय कार्य विशेषतः टिप्पण एवं आलेखन स्वयं हिंदी में भी करने के लिए पारंगत कराने के लक्ष्य से एचएलएल निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 9 जनवरी 2020 से पारंगत प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। इस क्लास का उद्देश्य ही कर्मचारियों को हिंदी में प्रवीण बनाना है। यह कंपनी का पहला बैच है। इस बैच में छब्बीस उम्मीदवार हैं। पाठ्यक्रम की अवधि 6 महीना है। हफ्ते में दो दिन में दो घंटे का क्लास है। हिंदी शिक्षण योजना के प्राध्यापक के द्वारा क्लास का संचालन हो रहा है। परीक्षा पास होने पर कर्मचारियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र एवं प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे। पारंगत परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के मन में अधिक आत्मविश्वास जगाने के उद्देश्य से 19.03.2020 को एचएलएल द्वारा पारंगत - मॉडल परीक्षा आयोजित की गयी।

प्रशस्ति पुरस्कार

हिंदी के प्रसिद्ध विद्वान और सांसद श्री शंकर दयाल सिंह की जन्मतिथि की यादगार में भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के निर्देशानुसार संस्थापित यह पुरस्कार वर्ष 2018 - 19 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के उपलक्ष्य में एचएलएल के विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच में श्रीमती अनिता नागराली, अधिकारी - 2 (बिक्री), एचएलएल कनगला फैक्टरी को फरवरी महीने में आयोजित विजय दिवस समारोह के अवसर पर श्री नटेष.के, महा प्रबंधक (प्रचालन) और यूनिट प्रधान, एचएलएल कनगला फैक्टरी द्वारा प्रदान किया गया है।

केरल हिंदी प्रचार सभा के साथ भागीदारी

राजभाषा हिंदी के प्रभावोत्पादक उन्नयन पर विचार करके हम केवल कंपनी के आंतरिक कार्यक्रमों में ही नहीं केरल हिंदी प्रचार सभा जैसे बाहरी संस्थाओं के हिंदी कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। केरल हिंदी प्रचार सभा के नेतृत्व में केरल के केंद्र सरकार के कार्यालयों, निगमों, उपक्रमों एवं राष्ट्रीकृत बैंकों की सहभागिता से 14 सितंबर 2019 से 14 अक्तूबर 2019 तक आयोजित हिंदी माह समारोह में कंपनी का भरपूर सहयोग हुआ। कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 04 अक्तूबर 2019 को चलायी हिंदी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेकर हिंदी के प्रति अपनी रुचि दिखाई। हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता में एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी के श्रीमती शैलजा.के.एस, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। आगे 30 अक्तूबर 2019 को आयोजित भारतीय भाषा कवि सम्मेलन में श्री सी.नारायणन, प्रबंधक, एचएलएल निगमित मुख्यालय और श्री सुभाष बाबु, अधिकारी, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी द्वारा कवितायें प्रस्तुत की गयीं।

केरल हिंदी प्रचार सभा, तिरुवनंतपुरम द्वारा केंद्र सरकार के उपक्रमों की श्रेणी में राजभाषा हिंदी के उत्तम प्रोन्नमन के लिए लगाये गये **राजभाषा उत्तम निष्पादन पुरस्कार** के लिए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड हकदार बन गया। यह पुरस्कार 14 अक्तूबर 2019 को केरल हिंदी प्रचार सभा, तिरुवनंतपुरम में आयोजित हिंदी माह के समापन समारोह में एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) श्री के. विनयकुमार ने विशिष्ट अतिथि से हासिल किया।

इसके अलावा, केरल राज्य के केंद्र सरकार के कार्यालयों, निगमों, उपक्रमों एवं राष्ट्रीकृत बैंकों के राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए नेतृत्व कर रहे हिंदी अधिकारियों के लिए संस्थापित **राजभाषा सेवी पुरस्कार** (वर्ष 2019, उपक्रमों की श्रेणी) एचएलएल के उप उपाध्यक्ष (राजभाषा), डॉ वी. के. जयश्री को भी प्रदान किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह में हिंदी पुरस्कार वितरण

हमारी राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिंदी की महत्ता को मानते हुए हम गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी 2020) के अवसर पर एचएलएल निगमित मुख्यालय के अनुभागों के बीच में राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के फलस्वरूप सुरक्षा विभाग के लिए **अग्रणी अनुभाग चल वैजयंती एवं नकद पुरस्कार** एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री तंपी.एस.दुर्गा दत्त को प्रदान किया। इसके अलावा, हिंदी में मूल रूप से टिप्पण एवं आलेखन कार्य किये अधिकारियों/ कर्मचारियों को नकद पुरस्कार भी वितरित किये गये।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

'स्वास्थ्य ही धन है।' स्वस्थ जीवन शैली समय की माँग है। स्वस्थ जीवन शैली एक सफल जीवन की नींव है। स्वस्थ जीवन शैली का अर्थ है स्वस्थ खानपान जैसी अच्छी आदतों का पालन करना, नियमित व्यायाम करना और रात में पर्याप्त नींद लेने के लिए समय निकालना। विभिन्न बीमारियों से दूर रहकर स्वास्थ्य संपन्न जीवन जीने के लिए स्वस्थ जीवन शैली का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। आज एक स्वस्थ जीवन शैली का पालन करने के लिए बहुत दृढ़ संकल्प लेना पडता है। आजकल के व्यस्त जीवन में स्वस्थ जीवन शैली का बडा महत्व है। इस बात को प्रमुखता देते हुए हमारी कंपनी के भारत भर की विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 06.03.2020 को एचएलएल निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 'स्वस्थ जीवनशैली का महत्व' विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/सीधे मोड के ज़रिए अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि प्राचीन काल में लोग नंगे पाव चलते थे, जो भी मिले वही खाते थे। वे अपनी तंदुरुस्ती पर ध्यान नहीं देते थे, लेकिन उन्हें आज के

समान बीमारी नहीं थी। पर आज के लोग अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं और जूता पहनने के बिना बाहर कदम नहीं रखते हैं। लेकिन वे महामारियों के चंगुल में फंस गये हैं। क्योंकि आज मानव जंक - फूड के पीछे हैं। यह भी नहीं आज हम अपने बच्चों को खेलने के लिए बाहर नहीं भेजते हैं। इसलिए वे हमेशा टेलीविशन या मोबाइल के पीछे हैं। अतः हमें स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना चाहिए। इसके लिए चलना, दौडना, तैरना जैसे शारीरिक व्यायाम, योगा आदि का अभ्यास रोज़ करना नितांत आवश्यक ही है। उन्होंने विविध क्षेत्रों के श्रेष्ठ व्यक्तियों की जीवन शैली स्पष्ट करते हुए इन बातों पर ज़ोर दी। इस अवसर पर कंपनी के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री ई.ए.सुब्रमण्यन और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), श्री के. विनय कुमार सहित उच्च अधिकारी उपस्थित थे। इस राजभाषा सम्मेलन में एचएलएल की विभिन्न यूनिटों/ समनुषंगी कंपनियों से 50 अधिकारियों/कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी हुई और 16 कर्मचारियों ने उक्त विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। एचएलएल की समनुषंगी कंपनी, हाइट्स के सुश्री अर्चना मेनोन आर, सहायक परियोजना इंजीनियर को प्रथम स्थान; एचएलएल-लखनाउ कार्यालय के श्री संतोष कुमार शुक्ला, वैज्ञानिक ई 2 को द्वितीय स्थान और एचएलएल कनगला फैक्टरी के श्री अमित कोच्चार, प्रधान (यूनिपिल प्रचालन) को तृतीय स्थान प्राप्त हुए। श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय ने इस सेमिनार का संचालन किया। डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल ने सभी सज्जनों का स्वागत किया।

नेमी टिप्पणियाँ
MARGINAL NOTINGS

For information only	केवल सूचना के लिए
Submitted for orders	आदेश के लिए प्रस्तुत है।
Submitted for information	सूचना (जानकारी) के लिए प्रस्तुत है।
Kindly acknowledge	कृपया पावती भेजिए
Needful has been done	ज़रूरी कार्रवाई कर दी गई है।
Draft reply is put up for approval	उत्तर का मसौदा अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है।
Please see preceding notes	कृपया पिछली टिप्पणियाँ देख लें।
Relevant orders are flagged	संगत आदेशों पर पर्चियाँ लगा दी गई हैं।
Draft has been amended accordingly	मसौदा तदनुसार संशोधित कर दिया गया है।
The proposal is self - explanatory	प्रस्ताव अपने आप में स्पष्ट है।
No further action is called for	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है।
This may please be treated as urgent	कृपया इसे अत्यावश्यक समझें
The papers are sent herewith	कागज़-पत्र इसके साथ भेजे जा रहे हैं।
Seen and returned with thanks	देखकर सधन्यवाद वापस किया जाता है।
We have no remarks to offer	हमें कोई टिप्पणी नहीं करनी है।
Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।
Application may be rejected	आवेदन अस्वीकार कर दिया जाए।
Please discuss	चर्चा करें
Action may be taken as proposed	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
Please put up a self contained note	कृपया स्वतः पूर्ण टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।
Please circulate and file	कृपया सभी को दिखाकर फाइल कर दीजिए।
Issue reminder urgently	तुरंत अनुस्मारक भेजिए।
Await further report	आगे और विवरण की प्रतीक्षा कीजिए।
Explanation may be called for	स्पष्टीकरण मांगा जाए।
Issue today	आज ही भेज दिया जाए

एचएलएल शब्दावली
HLL GLOSSARY

Actual production number	वास्तविक उत्पादन संख्या
Ageing oven	एजिंग ओवन
Air compressor	एयर कंप्रेसर
Analog multimeter	एनालॉग मल्टीमीटर
Analysis	विश्लेषण
Analyst	विश्लेषक
Analytical Report	विश्लेषणात्मक रिपोर्ट
Annual turnover	वार्षिक व्यापारावर्त
Automatic condom testing machine	स्वचालित कंडोम परीक्षण मशीन
Band sealing machine	बैंड सीलिंग मशीन
Batch size	बैच आकार
Blood collection bag	ब्लड कलक्शन बैग
Blood transfusion set	रक्त/ब्लड आदान सेट
Borosil glass measuring vessel	बोरोसिल ग्लास मापन वेसल
Burst Pressure	बर्स्ट प्रेशर
Chemical	रसायन
Chemical Indicator	रासायनिक सूचक
Chemical Test	रासायनिक परीक्षण
Closing stock	अंतिम स्टॉक
Closing stock value	अंतिम स्टॉक मूल्य
Coiling	कॉयलिंग
Compressor Area	कंप्रेसर क्षेत्र
Condom	कंडोम
Condom quality testing machine	कंडोम गुणवत्ता जाँच मशीन
Continuous innovation	निरंतर नवाचार

Contraceptive	गर्भनिरोधक
Cooling time	शीतलन समय
Corporate	कॉर्पोरेट
Corporate Quality Assurance	कॉर्पोरेट गुणवत्ता आश्वासन
Cu-T	कॉपर-टी
Date of Filling	भरने की तिथि
Defect code	खराबी कोड
Dextrose Anhydrons	डेक्सट्रोस अन्हैड्रोस
Diagnostic	डायग्नोस्टिक/नैदानिक
Diagnostic centre	नैदानिक केंद्र
Diagnostic service	नैदानिक सेवा
Digital clamp meter	डिजिटल क्लैंप मीटर
Digital multi meter	डिजिटल मल्टि मीटर
Dispenser carton	डिस्पेंसर कार्टन
Disposal	निपटान
Disposal of Rejection	अस्वीकृति का निपटान
Disproportionate	असंगत
Doka for female condom	महिला कंडोम के लिए डोका
Doka for male condom	पुरुष कंडोम के लिए डोका
Drop tubes for procon machine	प्रोकोन मशीन के लिए ड्रॉप ट्यूब्स
Drugs	औषध
Drum lifter	ड्रम लिफ्टर
Duration of sterilization	रोगाणुनाशन का समय
Electronic Pinhole Testing	इलेक्ट्रॉनिक पिनहोल परीक्षण
Electronic Testing Department	इलेक्ट्रोनिक परीक्षण विभाग

Electronic balance	इलेक्ट्रोनिक संतुलन
Electronic weighing balance	इलेक्ट्रोनिक वज़न संतुलन
Emergency pills	आपातकालीन गोलियाँ
Empty drums/scrap	खाली पीपों/रद्दी माल
Environment Management System	पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली
Exchange	आदान प्रदान/विनिमय
Expired stock	समय सीमा समाप्त स्टॉक
Expiry	समाप्ति
Export	निर्यात
Export sales	निर्यात बिक्री
FC oil dozing machine	एफसी तेल डोज़िंग मशीन
Feasibility Report	साध्यता/संभाव्यता रिपोर्ट
Feeler gauge	फीलर गेज
Female condoms	महिला कंडोम
Female Health Company	महिला स्वास्थ्य कंपनी
Female condom area	महिला कंडोम क्षेत्र
Female condom secondary packing area	महिला कंडोम सेकेंडरी पैकिंग क्षेत्र
Filtration	निस्पंदन
Foil Pouch	फोइल पाउच
Foil rewinder machine	फोइल रिवाइंडर मशीन

स्वस्थ जीवन शैली का महत्व

अर्चना मेनोन .आर
सहायक परियोजना अभियंता (विद्युत)
एचएलएल - हाइट्स

स्वस्थ रहने का मतलब सिर्फ कभी कभार सलाद खाना या हफ्ते में एक बार टहलने के लिए बाहर जाने से नहीं है। आपको अपनी तरफ से थोडी मेहनत करनी पडेगी, लेकिन आपकी सेहत से बढकर कुछ भी नहीं है। एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए, नियमित रूप से स्वस्थ खाएं, व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और सफाई रखें। आपको कुछ बुरी आदतों - फेड डाइटिंग और पर्याप्त नहीं सोने - से भी बचना चाहिए। जीवन शैली (लाइफ़स्टाइल) में बदलाव लाने के लिए आपको थोडा सा सुधार करना पडेगा, पर स्वास्थ्य में परिवर्तन तभी हो सकती है जब आप मेहनत करने को तैयार हैं।

मैं कैसे जानूँ कि मेरी जीवन शैली स्वास्थ्यप्रद है? मैं कैसे स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली स्तर को माप कर सकती हूँ और इस में सुधार ला सकती हूँ?

जीवन में हम सब, कभी न कभी इस विषय के बारे में जानने के लिए उत्सुक हुए हैं। जिस तरह का जीवन आप जीते हैं, आपकी जीवन शैली वैसी ही बन जाती है। आइए जानें, स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली के कुछ पहलुओं को और किस तरह ये पहलुयें हमारी मदद करती हैं।

स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली के कुछ तरीके

- स्वास्थ्यप्रद भोजन।
- पर्याप्त समय सोना।
- सक्रिय रहना।
- अपने विश्राम के लिए पर्याप्त समय निकालना।
- अपने काम में आनंद।
- अच्छी सामाजिक स्वास्थ्य।
- शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति के लिए परिश्रम करना।

स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली से फायदा - सकारात्मक जीवन शैली

◆ **तनाव, चिंता एवं अवसाद से राहत**

कई शोधों में पाया गया है कि बुरी जीवनशैली तनाव और अवसाद के मुख्य कारण हैं। चिंता और तनाव से लडने के लिए सकारात्मक जीवन शैली अपनाना अत्यंत ज़रूरी है। इससे मनोवैज्ञानिक शक्ति मज़बूत होकर मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है।

◆ **शारीरिक क्षमता बढाना**

एक स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली से स्वस्थ आदतों का निर्माण होता है स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली में डाइट, व्यायाम, योगा, टाइम मैनेजमेंट, अच्छी नींद शामिल है। इन आदतों को अपनाकर फिटेनस और हेल्थ को बेहतर बनाया जा सकता है।

◆ **सकारात्मक दृष्टिकोण**

जो व्यक्ति सकारात्मक जीवन शैली अपनाता है हर बात के प्रति उनकी नजरिया हमेशा सकारात्मक रहती है जो किसी भी क्षेत्र की जीत के लिए सबसे ज़रूरी है।

◆ **बीमारियों से बचाव**

स्वस्थ जीवनशैली से जीने वाले व्यक्ति में रोगप्रतिरोध शक्ति बढती है, जो उसे बीमारियों से बचाती है।

◆ **आत्म विश्वास बढाना**

अच्छी जीवन शैली को बनाये रखने वाले इंसान सामाजिक, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है जिससे व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है और उसका आत्मविश्वास बढ जाता है।

कैसे अपनाए सकारात्मक जीवन शैली

◆ **संतुलित आहार** - इस में वे सभी तत्व शामिल हैं जो हमारी सेहत के लिए सबसे ज़्यादा ज़रूरी है, यानी कॉर्बोहाइड्रेट, फैट, कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन, खनिज आदि सही अनुपात में शामिल हैं। किसी भी तत्व को कम या ज़्यादा मात्रा में लेने से कई तरह की दिक्कतों और बीमारियों का सामना करना पडता है। जैसे विटामिन 'ए' की कमी से रतोंधी और विटामिन 'बी' की कमी से बेरी बेरी रोग हो सकता है। वही जो लोग कैल्शियम कम मात्रा में लेते है उनकी हड्डियाँ दूसरों की तुलना में कमज़ोर होती है।

◆ **शराब और धूम्रपान को छोडना** - शराब, गुठके, और धूम्रपान से क्या नुकसान है यह बताने की ज़रूरत नहीं है। क्या आप जानते हैं हर साल करीब 2,50,000 से अधिक लोग इससे अपनी जान गंवाते हैं और जो बच जाते हैं उनमें से ज़्यादातर लोगों के श्वसन प्रणाली, दिमाग और स्मरण शक्ति पर इन चीज़ों का बुरा प्रभाव पडता है। इसलिए अगर आपको भी नशे की लत है तो इसे छोडने का प्रयास करें।

◆ **सामाजीकरण** - यानी समाज में मिल-जुल कर रहना भी सकारात्मक जीवन शैली के लिए आवश्यक है। ये आज के युवाओं के लिए और भी ज़रूरी हो जाती है, जहाँ आज सामाजीकरण का मतलब हमारे लिए फेसबुक और वाट्सआप्प तक सीमित हो गया है। घुल मिलकर रहने और समाज में अपनी बात बोलने से जानकारी बढ़ने के साथ ही आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होती है और तनाव एवं डर घट जाता है।

◆ **उचित विश्राम और नींद** - आज का ज़माना इंटरनेट और टेलीविज़न का है तो देर तक जागते रहना लाजमी है। लेकिन थोडे समय के लिए यह मज़ा वास्तव में हमारी सेहत, स्मरण शक्ति और आँखों पर बुरा असर डाल सकता है। पूरे दिन के भागदौड के बाद एक अच्छी नींद हमें दुबारा ऊर्जा प्रदान करती है। कम नींद या देर से सोने से उदासी, चिडचिडापन, तनाव और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इसलिए अपनी जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए समय पर सोने और जागने की आदत को बनाए रखना चाहिए।

व्यायाम के मनोवैज्ञानिक लाभ

- ◆ मनोदशा को अच्छा बनाता है
- ◆ डिप्रेशन को कम करता है
- ◆ चिंता को कम करता है
- ◆ आत्म विश्वास और शारीरिक छवि को बढ़ाता है
- ◆ स्मरण शक्ति बढ़ाता है
- ◆ बौद्धिक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है

◆ **स्वस्थ आदत** - इस में आज का काम कल के लिए न छोडना, टाइम मैनेजमेंट, खुश रहना, जैसी चीज़ें शामिल हैं जो चिंता को कम करती है और संतुष्टि को बढ़ाती है। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे आँख, दांत, नाखूनों की सफाई भी इसमें शामिल है। असल में ये बातें स्वस्थ और अस्वस्थ इंसान को एक दूसरे से अलग करती है।

अपने आप को कैसे एकदम फिट रखें

◆ इंसान की सेहत के सबसे बडे दुश्मन हैं - खाने के लालच और व्यायाम करने का आलस्य, जो हर इंसान में है। हरेक के शरीर के फिटेनस लालच और आलस्य की मात्रा पर निर्भर रहता है।

◆ हम अक्सर रात में अलार्म लगा कर सोते हैं कि सुबह 6 बजे उठ कर व्यायाम करेंगे, लेकिन हमारे लिए नींद अपनी सेहत से ज़्यादा

महत्वपूर्ण है, इसलिए हम अलार्म बंद कर के सो जाते हैं। लेकिन खाने के बारे में हम कभी भी आलस्य नहीं करते, जो भी मिले वह चटपटा, तीखा, मीठा बिना सोचे खा लेते हैं।

फिट रहने की कुछ तरीके

1. शारीरिक काम

अगर आप रोज़ सुबह व्यायाम करते हैं तो बहुत ही अच्छी बात है और नही कर सकते तो दिन भर के छोटे-छोटे काम खुद करने की कोशिश करें। जैसे बाज़ार से सब्जी लेना, बैठे-बैठे पानी मांगने की बजाय खुद जाकर पानी पीना, कपडे धोना, सफाई करना, लिफ्ट और एलीवेटर की बजाय सीढियों का इस्तेमाल करना, नौकरी, स्कूल या कॉलेज से घर आते समय पैदल चलना। इन से आपके दिन भर के व्यायाम भी हो जाएगा और आप फिट भी रहेंगे।

2. चीनी और नमक कम खाना

इसमें कोई शक नहीं है कि मीठा पदार्थ अधिक खाने पर डायबेटीज़ और मोटापे का कारण बन जाता है। सदा हम सोचते हैं कि आज के बाद मीठा नहीं खायेंगे। कुछ दिन अपने आप को काबू में लाते हैं लेकिन फिर मन चंचल हो जाता है। यह सच है कि हम चीनी और नमक के बिना रह नहीं सकते। लेकिन मीठी और नमकीन चीज़ कम खाने से आपकी सेहत ज़रूर ठीक रह सकती है यानी अगर आप चाय में एक चम्मच चीनी डालते हैं तो आगे उसे आधा कीजिए। कुछ दिन आपको चाय फीकी महसूस होगी लेकिन धीरे धीरे आदत बन जाएगी। इसी तरह अगर हफ्ते में एक बार मिठाई खाते हैं तो इस आदत को बदलकर दो हफ्ते में एक बार मिठाई खाने की कोशिश करें।

3. फ्राइड पदार्थ कम खाए

समोसे, कचोडी, चाऊमीन या जंग फूड़ लोगों के सबसे पसंदीद होते हैं। इन्हें देखते ही मूँह में पानी आ जाता है और दूर नहीं रह जाता। आप इसे चाह कर भी पूरी तरह टाल नहीं कर सकते लेकिन ऐसी चीज़ों को रोज़ाना या 2-3 दिन में न खाकर हफ्ते में एक या दो दिन (रविवार या शनिवार) खाए, अधिक खाने से आपके सेहत को काफी नुकसान पहूँचेगा। हफ्ते में एक बार या दो बार खाने से न आपकी सेहत को ज़्यादा नुकसान पहूँचेगा और साथ ही स्वाद भी मिल जाएगा। इस तरह आप अपनी डाइट को बनाए रखने का श्रम करें।

4. नियमित जाँच

अपने शरीर की लगातार जाँच करवाए। इस से आपको अपना ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर आदि का पता मिलेगा। आप हर महीने नहीं, साल में एक बार जाँच करें। जो व्यक्ति 35 साल से ऊपर की उम्र का है उसे अपने खून की जाँच हर साल करना चाहिए।

5. अपनी स्वच्छता में ध्यान दें

◆ रोज़ स्नान करें।
◆ रोज़ दांतों को ब्रश करें।
◆ पैरों को साफ़ रखें।
◆ साफ़ कपडे पहनें।
◆ अपने हाथ एवं मुँह धोएँ।

6. व्यायाम करें

◆ हफ्ते में 3-5 बार फिटनेस केंद्र में जाएँ। कार्डियो और स्टेंग्थ ट्रेनिंग प्रोग्राम दोनों में आधे से एक घंटे तक भाग लें। विशेषज्ञ, हफ्ते में कम से कम 150 मिनट की मध्यम स्तर की एरोबिक एक्विटी का सुझाव देते हैं।

◆ अपने कंधों को स्ट्रेच करें। अपने बाएं हाथ को अपनी छाती के दूसरी ओर ले जा कर दाएँ हाथ से पकडें। इस स्ट्रेच को 30 सेकंड तक होल्ड कर के दूसरे पैर पर दोहराएँ।

◆ अपने आसपास के जगहों में व्यायाम करें। जोगिंग के लिए बाहर जायें। यहाँ ध्यान दें कि कम से कम 30 मिनट तक धीमी गति से चलना ज़रूरी है।

◆ इसके बजाय अपनी मंजिल तक पैदल या बाइक से जाएँ। अगर आप ऑफीस में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट से जाते हैं तो कुछ स्टॉप पहले उतर कर पैदल जाने का श्रम करें।

7. पर्याप्त पानी पीएं

◆ सुबह खाली पेट एक गिलास स्वच्छ पानी पीने से पेट के अपशिष्ट पदार्थ बाहर जायेंगे यानी पेट की सफाई होगी।

◆ स्वच्छ गरम पानी पीने से टॉक्सिक एलिमेंट शरीर से निकल जाते हैं और इम्यून सिस्टम भी ठीक हो जाता है।

◆ अगर आप सर्दी या गर्मी के मौसम में होने वाली घबराहट से परेशान रहते हैं, तो स्वच्छ पानी पीने से तुरंत शरीर को ऊर्जा महसूस होती है और थकावट खत्म होता है।

◆ स्वच्छ पानी पीने से एसिडिटी की समस्या खत्म होती है, क्योंकि पानी से पेट साफ होता है।

◆ शरीर में पानी की कमी से कई बार सिरदर्द होता है। इस समय स्वच्छ पानी पीने पर सिरदर्द से आराम मिलता है।

◆ दिन में कम से कम 8-10 गिलास स्वच्छ पानी पीने पर स्किन में रूखापन नहीं होता।

◆ सर्दियों में स्वच्छ गरम पानी पीने से गले के दर्द में भी राहत मिलता है।

सलाह

◆ हमेशा स्वच्छ पानी पीयें।

◆ नियमित रूप से हर रोज़ व्यायाम करने से आपका शरीर अंदर से मज़बूत होगा। इसके अलावा, व्यायाम हृदय बीमारी, कैंसर, डायबिटीज़ और ओबेसिटी जैसी बीमारियों का रोकथाम करता है। इस बात पर ध्यान दें कि आपका शारीरिक स्वास्थ्य आपके मानसिक विकास को भी प्रभावित करता है। शारीरिक गतिविधियों से आपके दिमाग के सोच - विचार में बदलाव आता है और चिंता और डिप्रेशन जैसी तकलीफें दूर रहती हैं।

◆ सकारात्मक सोच पर अपनी खुशी निर्भर है। इसलिए खुश रहनेवाले लोग स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के आधार पर काम करते हैं। इसलिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए अपनी खुशी पर भी ध्यान दें।

◆ ज़्यादा मुस्कुराने और हंसने की कोशिश करें। अपने दोस्तों से बात करते समय मज़ाक भरी बात भी जोडें। ऐसे वीडियो देखें जो आपको हँसाएँ, जीवन की हर स्थिति में हास्यप्रद रवैय्या अपनाने की कोशिश करें। तब आप बहुत ज़िंदादिल और स्वस्थ महसूस करेंगे।

◆ विटामिन और मिनरल की पर्याप्त मात्रा पाने के लिए मल्टीविटामिन खाने की आदत अपनायें।

निष्कर्ष

ये कुछ छोटी-छोटी बातें हैं, जिन्हें आप आसानी से अपनाकर सेहतमंद रह सकते हैं। इसके लिए आपको न ही कुछ छोडना पडेगा और न ही कुछ कठिन निर्णय लेने पडेंगे, बस अपनी सेहत के लिए कुछ चीज़ों के साथ थोडा सा समझौता करना पडेगा। अतः इन बातों को समझकर और अपनाकर आगे की जिंदगी स्वस्थ एवं मस्ती से आगे बढाने का निरंतर श्रम करें।

बाढ़ की चुनौती

स्वाति सिंह
उप प्रबंधक (सिविल)
एचएलएल - हाइट्स, नोएडा

जल ही जीवन है। यह उक्ति अपने आप में ही परिपूर्ण है। परन्तु इसके अनेक मतलब एवं भावार्थ है। यह मात्रा भारत के संदर्भ में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के संदर्भ में कहा जा रहा है। जहाँ एक तरफ विश्व में ऐसे जगह हैं, जो सूखे पडे हैं और लोग पीने योग्य पानी के लिए तरसते हैं तो दूसरी तरफ वही देश या विश्व में ऐसे भी ठिकाने हैं जो पानी से लबालब भर जाते हैं और आम लोगों का जनजीवन पूर्ण रूप से अस्त-व्यस्त हो जाता है। इस स्थिति को 'बाढ' कहा जाता है।

बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है, पर यह कई मानवीय कारणों का परिणाम है। आज मानव देश-विदेश में विभिन्न इमारतों के निर्माण में अडक गये हैं, जिसके फलस्वरूप धरती का तापमान कई डिग्री तक बढ़ गया है। जिसकी वजह से पहाडों पर बर्फ एवं ग्लेशियर लगातार पिघल रहे हैं जिससे नदियों एवं जलाशयों का जलस्तर बढ़ जाता है। इस प्रकार बढते जलस्तर के परिणामस्वरूप कई निचले गाँवों में पानी भर जाता है। इससे बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। दूसरा मानवीय कारण है, बीच - बीच में बाँध खोलना। बाँध के निर्माण से कई इलाकों में खेती एवं सिंचाई के लिए पानी मिलता है। लेकिन एक तरफ यह बाँध वरदान है तो दूसरी तरफ अभिशाप भी। हल्की तेज़ बारिश होने पर ही बाँध का जलस्तर बढने से मानव को यह खोलना पडता है। इस वजह से बाँध के निचले हिस्सों में बाढ़ होती है। ऊपर बताए गए दोनों कारणों में मानव का कुछ अधिक योगदान होने के बावजूद भी, उनका रोकथाम करना ज़रा कठिन है। तीसरा और महत्वपूर्ण कारण है जल निकासन की व्यवस्था। हमने कुछ दिनों पहले देश के कई हिस्सों में तबाही का मंज़र देखा। मौसम विभाग के अनुसार इसका मुख्य कारण तेज़ वर्षा और अनगिनत बूँदाबाँदी थी। परन्तु सोचने का विषय यह है कि क्या सच में इतनी बरसात हुई थी कि बाढ़ जैसी स्थिति हो? वास्तविक जवाब है नहीं। अगर हमारे देश में जल निकासन की ठीक व्यवस्था होती तो शायद हमारे देश में इतनी त्राहि नहीं हुई होती। देश के महानगरों में ही इस व्यवस्था का अभाव देखा जाता है।

ऊपर बाढ़ के कुछ मुख्य कारणों पर प्रकाश डाला गया है। अब हम यह जानते हैं कि आखिर बाढ़ एक चुनौती क्यों है? ज्यादा वर्षा होने पर कई इलाकों में पानी भर जाता है। इस पानी के साथ कई गंदगी भी शामिल होती है। लोगों के घर में पानी भर जाता है और यह कई महामारियों का मुख्य कारण बन जाता है। कई लोग बीमार पड जाते हैं तो कई लोगों की मृत्यु तक हो जाती है। अनेक घरों के छत तक पानी भर जाता है। सेना के तीनों अंग तथा राहत एवं बचाव के कर्मचारी लोगों को बचाने के काम में एकजुट हो जाते हैं। यह दृश्य बेहत दुखदायी एवं दयनीय होता है। बाढ से पीडितों के लिए सरकार एवं कई संस्थानें धन एवं भोजन के रूप में राहत सामग्री दे रही हैं। परन्तु एक बाढ़ पीडित के दिल के हाल शायद ये पंक्तियाँ ही बयान करें:

'ऐ वर्षा की बूँदें, ऐ नदिया का पानी,
इतनी सी कर दे तू हम पर महरबानी,
आना हमेशा खुशी और समृद्धि लेकर,
जा देना हमें अब कोई और परेशानी।'

संक्षेप में कहें तो, हम सब को एकजुट होकर इस चुनौति से लड़ना होगा। वृक्षारोपण, आधुनिक सेन्सिंग (समय पर ही इस आपदा का संदेश प्राप्त हो जाय) आदि की वजह से बाढ़ जैसी आपदा को हम चुनौती दे सकते हैं। हाल ही में हुई त्रासदी से लड़ने की हिम्मत सबको देनी चाहिए और हम सभी देशवासी इसे अपनी फर्ज़ समझकर, जितना हो सके उतनी मदद दे सकें और उन्हें आगे बढाने का सहारा बन जायें।

ज़िन्दगी

नेहा गुप्ता
बायो मेडिकल इंजीनियर
एचएलएल - हाइट्स, नोएडा

तू ज़िन्दगी को जी
उसे समझने की कोशिश न कर

सुन्दर सपनों के,
ताने बाने बुन
उससे उलझने की,
कोशिश न कर

अपने लयों को फैला,
खुल कर साँस ले
अंदर ही अंदर घुटने की
कोशिश न कर

चलते वक्त के साथ,
तू भी चल,
उसमें सिमटने की
कोशिश न कर

मन में चल रहे
युद्ध को विराम दे,
खामख्वाह खुद से
लडने की कोशिश न कर

हार्दिक बधाइयाँ

श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एचएलएल अकादमी (एचएमए) की ओर से 26 नबंबर 2019 को रबड़ स्किल डेवलपमेंट काउंसिल, नई दिल्ली से 'सर्वश्रेष्ठ सेवा प्रदाता' पुरस्कार हासिल करते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केरल चैप्टर द्वारा संस्थापित 'श्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार' 04 मार्च 2020 को राष्ट्रीय सुरक्षा दिन पर बहुत बडी श्रेणियों में उत्कृष्ट निष्पादन की ओर एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के लिए श्री जी. कृष्णकुमार, यूनिट मुख्य, श्री देवन रामचन्द्रन, उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश से हासिल करते हैं। एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केरल चैप्टर से 'सुरक्षा समिति का उत्कृष्ट निष्पादन (रन्नर अप)' भी प्राप्त हुआ।

वर्ष 2019-2020 के लिए बडे उद्योग में सुरक्षा प्रथाओं के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए पुरस्कार एचएलएल कनगला फैक्टरी के लिए श्री नटेश.के, यूनिट मुख्य स्वीकार करते हैं।

फैक्टरी और बॉयलर विभाग द्वारा संस्थापित बडे उद्योग श्रेणी में उत्कृष्ट सुरक्षा निष्पादन पुरस्कार 04 मार्च 2020 को श्री टी.पी रामकृष्णन, श्रम एवं एक्साइस मंत्री, करेल सरकार से एचएलएल आक्कुलम फैक्टरी के लिए श्री वी. कुट्टप्पन पिल्लै, यूनिट मुख्य हासिल करते हैं।

डॉ. हर्षवर्धन, केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संघ मंत्री 14 नवंबर 2019 को झज्जर, हरियाणा के नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट में देश के 170 वीं अमृत फार्मेसी का उद्घाटन करते हैं। श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को भी देखा जाता है।

श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गाँधी जयंती 02 अक्तूबर 2019 को भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के सिलसिले में 'प्लास्टिक मुक्त एचएलएल' अभियान श्री अजित कुमार, उपाध्यक्ष (आई टी) को पर्यावरण अनुकूल कपड़े की थैली सौंप कर लॉच करते हैं। श्री संतोष चेरियान, उपाध्यक्ष (वित्त) को भी देखा जाता है।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 28 अक्तूबर 2019 को कॉर्पोरेट मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता प्रतिज्ञा का प्रबंधन करते हैं। श्री ई.ए सुब्रमण्यन निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) और श्री संतोष चेरियान, उपाध्यक्ष (वित्त) को भी देखा जाता है।

श्री ई.ए सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) 02 अक्तूबर 2019 को एचएलएल कनगला फैक्टरी में गाँधी जयंती समारोह और 'स्वच्छता ही सेवा' का उद्घाटन करते हैं ।

श्री सी.के.हरीन्द्रन, विधायक 15 नवंबर, 2019 को सरकारी तालूक अस्पताल, पारशाला में नये हिंदलैब्स डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन करते हैं।

एचएलएल 15 नवंबर 2019 को एनबीसीएफडीसी के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहल के रूप में पैन इंडिया के आधार पर एचएलएल के वेंडिगो सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसिनरेटर के संस्थापन के लिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (एनबीसीएफडीसी) के साथ एम ओ यु पर हस्ताक्षर करता है।

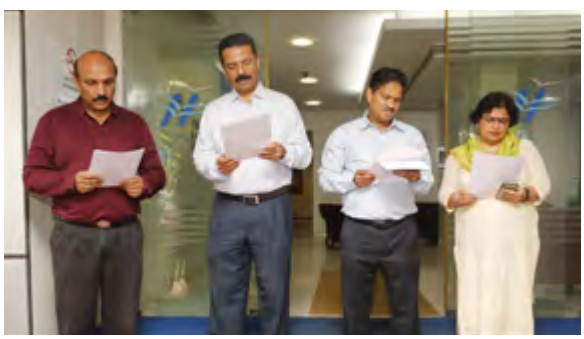

संविधान दिवस अंकित करने के लिए 26 नवंबर 2019 को श्री के. बेजी जोर्ज, आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), डॉ. गीता शर्मा, निदेशक (वित्त) और श्री के. विनय कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) एचएलएल के कर्मचारियों के साथ संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक पठन में भाग लेते हैं।

श्री अटल डुल्लू, वित्तीय आयुक्त, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग 2 दिसंबर 2019 को सरकारी मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर के दो संबद्ध अस्पतालों - बॉन & जोयिंट अस्पताल, श्रीनगर और सूपर स्पेशियालिटी अस्पताल, श्रीनगर में अमृत फार्मेसियों का उद्घाटन करते हैं।

श्रीमती के.के शैलज टीचर, स्वास्थ्य मंत्री, केरल सरकार 14 जनवरी 2020 को एस ए टी अस्पताल के हिंदलैब्स एम आर आई & सी टी स्कैन सेंटर में 'इको कार्डियोग्राम मशीन सहित सात 4 डी अल्ट्रासाउंड' का उद्घाटन करती हैं।

श्री नटेश के, महा प्रबंधक (प्रचालन), एवं यूनिट प्रमुख एचएलएल - केएफबी 12 फरवरी 2020 को उत्पादकता प्रतिज्ञा लेते हैं।

श्री के बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 27 जनवरी 2020 को एचएमए द्वारा आयोजित ''स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रापण प्रबंधन'' पर 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हैं।

श्री टी राजशेखर, निदेशक (विपणन) एवं डॉ अरुण पी. वी जिला कार्यक्रम प्रबंधक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 31 दिसंबर 2019 को तिरुवनंतपुरम में सभी शहरी सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों के रक्त नमूना जांच परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन का हस्तांतरण करते हैं।

पुरस्कार वितरण

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता (उच्च कार्यपालक, कर्मचारी एवं उनके बच्चे)

PREMIER

PREMIER

PREMIER

PREMIER

PREMIER

PREMIER

PREMIER

हिंदी वाक्पटुता कार्यक्रम के विजेता

हेल्थ क्लब का उद्घाटन करते हैं श्री के.बेजी जॉर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल।

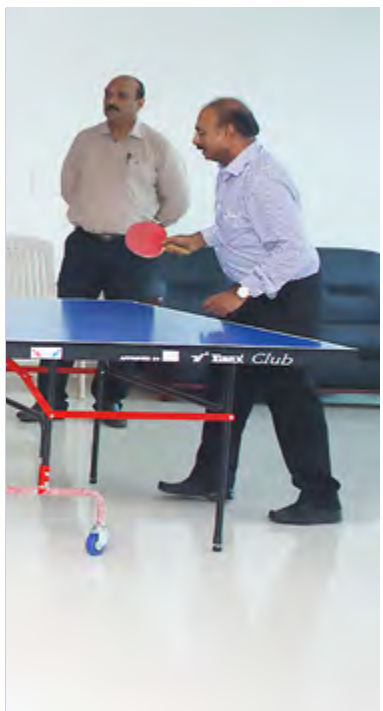

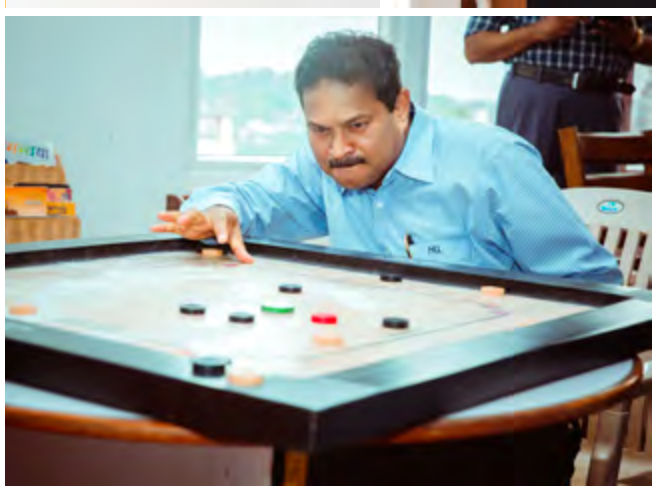

पिंक महिला फोरम की गतिविधियाँ

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

प्लास्टिक मुक्त एचएलएल

मैं प्रकृति और भविष्य पीढियों की भलाई के लिए हमारे पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा की ओर सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध हूँ।

1. घर व कार्यालय में प्लास्टिक के उपयोग से बचने
2. प्लास्टिक बैग के बजाय रिसायकल बैगों का उपयोग करने
3. पर्यावरणानुकूल विकल्प चुनने और प्लास्टिक सामग्री के लिए स्थायी विकल्प का उपयोग करने
4. प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों और प्रकृति पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ ।

प्लास्टिक मुक्त
एचएलएल

जनता · प्लानेट · लाभ

एचएलएल ऑप्टिकल्स

एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

सरकारी नेत्र अस्पताल, तिरुवनंतपुरम, दूरभाष : 0471 2306966

गोल्ड
मूड्स
कंडोम